भाद्रपद कृष्ण पक्ष 6, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 57 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
02 सितंबर 2026 बुधवार

आज का मौसम
28.3 अधिकतम
23.1 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

परिवहन विभाग से जुड़ा चर्चित मामला... लोकायुक्त की ओर से जल्द पेश होगा चालान

52 किलो सोना और 11.60 करोड़ नकद...

सौरभ के खजाने का असली मालिक कौन?

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश के परिवहन विभाग में आरक्षक की मामूली नौकरी करने वाले सौरभ शर्मा के पास से मिली अकूत काली कमाई के मामले में लोकायुक्त पुलिस चालान पेश करने की तैयारी में है लेकिन दोपहर मेट्रो की पड़ताल में सामने आया है कि यह चालान काली कमाई के सही मालिकों की तस्वीर पेश नहीं करता। इसमें सौरभ शर्मा के साथ उसके परिवार के सदस्यों और कुछ सहयोगियों सहित करीब 15 लोगों के नाम हैं। लेकिन, इस सवाल का जवाब नहीं मिलता कि बरामद किये गए 11 करोड़ से ज्यादा नगद और 51 किलो सोने का असली मालिक कौन था। यह सोना और नगदी किसके पास ले जाई जानी थी। क्या यह संभव है कि एक आरक्षक स्तर का व्यक्ति ही इसका मालिक हो ? ऐसे में चालान के बाद भी कई राज दफ़न ही रहेंगे।

दोपहर मेट्रो स्पेशल
राजेश सिरोठिया
काली कमाई की परतें
पार्ट -1

सौरभ शर्मा का नाम दिसंबर 2024 में अचानक उस समय देशभर में चर्चा में आया, जब लोकायुक्त और आयकर विभाग की कार्रवाई में उसके कथित आर्थिक साम्राज्य की परतें खुलनी शुरू हुईं। 19 दिसंबर 2024 को लोकायुक्त के विशेष पुलिस स्थापना ने भोपाल में सौरभ शर्मा के आवास और उससे जुड़े परिसरों पर छापेमारी की। तलाशी में नकदी, सोने के आभूषण और अन्य मूल्यवान संपत्तियां मिलीं। इसके कुछ ही घंटों बाद आयकर विभाग की कार्रवाई में भोपाल के मेंडोरी इलाके में एक इनोवा कार से 11.60 करोड़ रुपये नकद और 51.893 किलो सोना बरामद हुआ।

इनोवा चेतन सिंह गौर के नाम पर पंजीकृत थी। जांच एजेंसियों के अनुसार उसका संबंध सौरभ शर्मा से था और वाहन के इस्तेमाल को लेकर भी महत्वपूर्ण तथ्य सामने आए। यह बरामदगी इसलिए असाधारण थी क्योंकि जिस व्यक्ति के नाम के साथ यह संपत्ति जुड़ रही थी, वह परिवहन विभाग एक पूर्व आरक्षक था। यहीं से सबसे बड़ा सवाल पैदा हुआ कि एक आरक्षक के पास इतना पैसा आया कहां से? लोकायुक्त की तलाशी में सौरभ के आवास से नकदी, सोने के आभूषण और अन्य मूल्यवान संपत्तियां मिलीं। प्रदेश सरकार ने बाद में विधानसभा में दिए जवाब में लोकायुक्त की कार्रवाई से जुड़ी संपत्तियों का विवरण भी रखा। जांच आगे बढ़ी तो अचल संपत्तियों के दस्तावेज भी सामने आए।

लेकिन, कहानी का सबसे बड़ा अध्याय मेंडोरी की उस इनोवा ने खोला, जिसमें करोड़ों रुपये नकद और 51 किलो से अधिक सोना मिला। इतनी बड़ी रकम के सामने आने के बाद स्वाभाविक सवाल था कि इस धन का वास्तविक मालिक कौन है? शुरुआती दौर में इस नकदी और सोने पर किसी ने स्पष्ट मालिकाना दावा नहीं किया। लेकिन बाद की जांच में एजेंसियों ने इसे सौरभ शर्मा से जुड़े कथित बेनामी और अपराध से अर्जित धन की दिशा में जांच का आधार बनाया।

- **चालान में 15 नाम... लेकिन परिवहन की किसी 'बड़ी मछली' के शामिल होने का जिक्र नहीं**
- **अनुत्तरित सवाल... क्या सिर्फ एक आरक्षक का हो सकता है काली कमाई का यह खजाना ?**

पुलिस द्वारा ज त वह कार जिसमें मिला था सोना और नकदी।

मामला सिर्फ सौरभ तक सीमित नहीं

जांच बढ़ी तो सौरभ शर्मा के साथ उसके करीबी लोगों, परिवार के सदस्यों और कंपनियों का नेटवर्क सामने आया। चेतन सिंह गौर और शरद जायसवाल का नाम प्रमुखता से सामने आया। ईडी के अनुसार सौरभ से जुड़े लोगों ने कंपनियों और अन्य माध्यमों के जरिए संपि यां खरीदीं और धन के लेनदेन को अलग-अलग स्तरों पर रखा। यानी कहानी केवल एक आरक्षक के घर मिले करोड़ों रुपये की नहीं थी। यह कथित तौर पर एक ऐसा नेटवर्क था जिसमें व्यि त, परिवार, कंपनियां और संपि यां एक-दूसरे से जुड़ती चली गईं।

108 करोड़ तक पहुंची जांच

प्रवर्तन निदेशालय की जांच में कथित अपराध से अर्जित धन और उससे जुड़ी संपि यों का मूल्य करीब 108 करोड़ रुपये तक पहुंचा। ईडी ने पीएमएलए के तहत कार्रवाई करते हुए संपि यां अटैच कीं और अप्रैल 2025 में चार्जशीट भी दाखिल की। अब सवाल यह नहीं था कि सौरभ के पास पैसा था या नहीं। सवाल था— यह पैसा किसका था कहां से आया था किस रास्ते से सौरभ तक पहुंचा? किन लोगों के नाम पर लगाया गया और इस पूरे नेटवर्क से किस-किस को लाभ मिला?

अभी सबसे बड़ा सवाल बाकी

सौरभ शर्मा को अगस्त 2026 में हाईकोर्ट से जमानत मिल चुकी है। लेकिन जमानत का अर्थ आरोपों से मुि त नहीं है। जांच एजेंसियों की कार्रवाई और न्यायिक प्रक्रिया जारी है। मगर इस पूरे प्रकरण में एक सवाल अब भी सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है कि या सौरभ शर्मा इस कथित काले धन के साम्राज्य का मालिक था, या वह उस बड़े नेटवर्क की सिर्फ एक कड़ी था जिसमें ऊपर तक बैठे प्रभावशाली लोगों की भूमिका अभी सामने आना बाकी है? यही सवाल इस पूरी कहानी की अगली कड़ी का रास्ता खोलता है।

... जारी

अमेरिका-ईरान संघर्ष फिर तेज

शादी वाले घर पर गिरी अमेरिकी मिसाइल, 5 की मौत, 50 घायल

वॉशिंगटन डीसी/तेहरान, एजेंसी

अमेरिका ने ईरान पर एक बार फिर हमला किया है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने ईरान के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है, जिनमें एयर डिफेंस साइट्स, रडार सिस्टम, समुद्री ठिकाने, माइन बिछाने की क्षमता और कम्युनिकेशन साइट्स शामिल हैं।

ईरान के मुताबिक, दक्षिणी ईरान के सिरिक इलाके में एक शादी समारोह के दौरान अमेरिकी हमला हुआ। इसमें 5 लोगों की मौत हुई, जबकि 50 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। हमले के बाद सामने आए वीडियो और तस्वीरों में घायल बच्चे अस्पताल में इलाज कराते दिख रहे हैं। ईरान के खुजस्तान प्रांत में भी अमेरिकी हमले में 7 लोगों के मारे जाने और 8 के घायल होने की जानकारी सामने आई है। इसके जवाब में ईरान ने जॉर्डन और बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने का दावा किया है।

इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि ईरान के साथ किसी समझौते की जरूरत नहीं है। ट्रम्प के मुताबिक, अमेरिका का होर्मुज स्ट्रेट पर लगभग पूरा कंट्रोल है और ईरान की अर्थव्यवस्था ढह रही है।

न्यूज विंडो

दिल्ली गैंगरेप केस: पीड़ित और आरोपियों के फिंगर प्रिंट मिले

नई दिल्ली। दिल्ली में चलती स्लीपर बस में 16 साल की छात्रा से गैंगरेप के मामले में पुलिस को फोरेंसिक जांच में अहम सबूत मिले हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, बस से छात्रा और दोनों आरोपियों के फिंगरप्रिंट मिले हैं। बस की सीटों और स्टीयरिंग व्हील से भी फोरेंसिक सैंपल लिए गए हैं। ड्राइवर कुलदीप और कंडक्टर संदीप के कपड़े भी पुलिस ने जब्त किए हैं। पुलिस अब DNA रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। इसके बाद जांच को आगे बढ़ाते हुए जल्द चार्जशीट दाखिल करने की तैयारी है।

आंध्र प्रदेश : मलेरिया की दवा खाते ही 50 से अधिक बीमार, एक की मौत

अमरावती। आंध्र प्रदेश के पल्लावरम जिले से एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। यहां मलेरिया से लड़ने के लिए बांटी गई क्लोरोक्वीन की गोलियां खाने के बाद सात साल की एक मासूम बच्ची की मौत हो गई, जबकि 52 अन्य लोग बीमार पड़ गए हैं, जिनका इलाज अस्पताल और स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा है। इस दर्दनाक घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है।

पीएनबी गबन मामला: असली नोटों के बीच छिपाए थे करोड़ों

सहारनपुर। पंजाब नेशनल बैंक की करेंसी चेस्ट में हुए 17 करोड़ रुपये के गबन मामले की जांच तेज हो गई है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की टीम जांच के लिए पहुंची। शुरुआती जांच में पांच लाख के नोटों का ऐसा बंडल मिला है, जिसमें 10 गड्डियों में से आठ गड्डियां जाली नोटों की थीं।पहली और आखिरी गड्डी असली और बीच में नकली नोटों की गड्डियां रखी गई थीं। जांच टीम को ऐसे कई और बंडल मिलने की बात सामने आ रही है।

सुशांत की मैनेजर दिशा सालियान की मौत की जांच करेगी सीबीआई

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने बॉलीवुड एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व मैनेजर दिशा सालियान की मौत के मामले में CBI जांच का आदेश दिया है। कोर्ट ने मामले में FIR दर्ज करने का भी निर्देश दिया है। दिशा की मौत 8 जून 2020 को मुंबई के मलाड में एक इमारत की 14वीं मंजिल से गिरने के बाद हुई थी। दिशा की मौत के छह दिन बाद 14 जून 2020 को सुशांत सिंह राजपूत भी मृत पाए गए थे। दिशा के पिता सतीश सालियान ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर बेटी की मौत की नए सिरे से जांच और CBI जांच की मांग की थी। उनका आरोप था कि दिशा के साथ गैंगरेप और हत्या हुई और मामले को दबाने की कोशिश की गई। वहीं, पुलिस अब तक दिशा की मौत को आत्महत्या बताती रही है।

पांडेय का राममंदिर सीईओ बनना लगभग तय, आज लग सकती है मुहर

अयोध्या। यूपी के एनकाउंटर स्पेशलिस्ट रहे पूर्व आईपीएस राजेश पांडेय अयोध्या राम मंदिर के पहले सीईओ (चीफ एग्जी यूटिव ऑफिसर) बनाए जा सकते हैं। उनका नाम लगभग फाइनल है। सूत्रों के मुताबिक, मंगलवार शाम को ही वह अयोध्या पहुंच गए हैं। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की बैठक में आज उनके नाम पर अंतिम मुहर लगेगी। चढ़ावा चोरी का मामला सामने आने के बाद ट्रस्ट की यह तीसरी बैठक है।

जबलपुर-सागर में भारी बारिश, भोपाल में कल से बरसात का एक और दौर

उत्तराखंड में 172 सड़कें बंद, 12 मौतें

नई दिल्ली, एजेंसी

उत्तराखंड में पिछले तीन दिनों से लगातार बारिश जारी है। बारिश से जुड़ी अलग-अलग घटनाओं में 12 लोगों की मौत हो गई। नैनी झील का जलस्तर 88 फीट पार होने के बाद चैनल खोल दिए गए हैं। राज्य में 172 सड़कें बंद हैं। नैनीताल, बागेश्वर और देहरादून में आज ऑरेंज अलर्ट है। पांच जिलों में स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्र बंद कर दिए गए हैं।

इधर, बिहार में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। राज्य में गंगा-पुनपुन समेत कई नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। पटना में सुबह से बारिश हो रही है। मंगलवार को तेज बारिश के कारण शहर के कई इलाकों में पानी भर गया। भागलपुर में 100 साल पुराना दुर्गा मंदिर कटाव के चलते गंगा में समा गया।

वहीं, मध्य प्रदेश के पूर्वी हिस्से में स्ट्रॉन्ग मानसूनी सिस्टम सक्रिय है। जबलपुर, रीवा, शहडोल और सागर संभाग में भारी बारिश हो रही है। चित्रकूट में मंदाकिनी नदी खतरे के निशान से ऊपर है। सतना में आज और कल स्कूल, कॉलेज और आंगनबाड़ी केंद्र बंद रखने के आदेश दिए गए हैं।

उ राखंड के रामनगर में सड़क के आर-पार बह रहे तेज पानी के बहाव में एक टेंपो बह गया।

नेपाल में बर्फ-चट्टानें खिसकने से दोबारा बाढ़ का खतरा, अब तक 1127 मौतें, 4600 लापता

नेपाल में 26 अगस्त को आई भीषण बाढ़ के बाद अब एक और बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। पहाड़ों पर बर्फ और चट्टानों के खिसकने से नदियों का रास्ता रुक सकता है और अचानक पानी नीचे आने का खतरा बढ़ सकता है। ए सपर्ट्स के मुताबिक हिंदू कुश हिमालय में ग्लेशियर तेजी से बर्फ खो रहे हैं। इस आपदा में अब तक 1,127 लोगों की मौत हो चुकी है, इनमें से 9 शव भारत में मिले हैं। जबकि करीब 4,600 लोग अब भी लापता हैं। इनमें करीब 500 विदेशी नागरिक शामिल हैं। रेस यू ऑपरेशन एक ह ते बाद भी जारी है। बाढ़ ने कई परिवारों को तबाह कर दिया है।

उत्तर प्रदेश के सीतापुर में भारी बारिश के कारण दीवार गिरने से दो लोगों की मौत हो गई। गाजीपुर में गंगा में नहाते समय दो नाबालिग बह गई। उन्नाव में बारिश के बाद गंगा एक्सप्रेसवे पर करीब 7 फीट गहरा गड्ढा हो गया। इस मानसून में गंगा एक्सप्रेसवे धंसने की यह दूसरी घटना है। वहीं, बलिया में करीब 20 हजार लोग बाढ़ से प्रभावित हैं।

सेना की बोट डूबी, 2 जवान लापता

तीन को बचाया गया, यमुना में 10 किमी में रातभर सर्च ऑपरेशन

यमुनानगर। हरियाणा के यमुनानगर जिले में हथिनीकुंड बैराज के पास मंगलवार शाम यमुना नदी में सेना की बोट डूबने से लापता दो जवानों का 15 घंटे बाद पता नहीं लग पाया है। मंगलवार शाम को 5 बजे शुरू हुआ सर्च ऑपरेशन रातभर चला। हेलिकॉप्टर से भी निगरानी की गई।

हरियाणा के अलावा यूपी की एसडीआरएफ टीमें भी जुटी हैं। लोकल गोताखोरों को भी लगाया गया है। बैराज से निकलने वाली पूर्वी और पश्चिमी यमुना नहर के किनारों पर सर्चलाइटों से निगरानी की गई। आज नहरों में पानी की सप्लाई कम करके दोबारा कोशिश होगी। सेना के वन पैरा स्पेशल फोर्स के बाढ़ बचाव दल के अभ्यास के दौरान यह हादसा हुआ था। हादसे में सेना के पांच जवान पानी में डूबने लगे थे। इनमें से तीन जवान करीब 600 मीटर तक तेज बहाव में तैरकर पश्चिमी यमुना नहर (डब्ल्यूजेसी) के गेट से बाहर निकलने में सफल रहे।

मेट्रो एंकर

47 साल की मां ने युवाओं को पीछे छोड़ा, साड़ी पहनकर पूरी की रेस

बेटी की फीस की चिंता... मां ने नंगे पैर मैराथन दौड़ जीते तीन हजार

मुंबई, एजेंसी

'वो मां है, कुछ भी कर सकती है।' महाराष्ट्र के बीड जिले के अंबाजोगाई की 47 वर्षीय रमाबाई रणवीर ने इस कहावत को हकीकत में बदल दिया। बेटी की स्कूल फीस भरने के लिए उन्होंने मैराथन में हिस्सा लिया और सिर्फ दौड़ पूरी ही नहीं की, बल्कि उसे जीतकर 3 हजार रुपए का नकद पुरस्कार भी अपने नाम किया। उनकी कहानी इसलिए भी खास है, क्योंकि जब दूसरे प्रतिभागी स्पोर्ट्स शूज और ट्रैक सूट पहनकर दौड़ रहे थे, तब रमाबाई साधारण साड़ी में नंगे पैर दौड़ रही थीं।

रमाबाई ने भारतीय शिक्षण प्रसारक संस्था के खोलेश्वर एजुकेशनल कॉम्प्लेक्स के 'अमृत महोत्सव' समारोह के तहत आयोजित 'अमृत दौड़' में हिस्सा लिया था। अंबाजोगाई में आयोजित यह दौड़ छत्रपति शिवाजी महाराज चौक से शुरू होकर भाग्यनगर चौक पर खत्म हुई। प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में स्थानीय युवक-युवतियों ने हिस्सा लिया। रमाबाई भी सामान्य प्रतिभागी के तौर पर वहां पहुंची थीं। उनके मन में उस समय शायद किसी बड़े पुरस्कार की उम्मीद से ज्यादा अपनी बेटी की पढ़ाई की चिंता थी। कार्यक्रम स्थल पर रमाबाई सामान्य साड़ी और चप्पल पहने पहुंची थीं। उन्हें देखकर शायद ही किसी ने सोचा होगा कि वह प्रतियोगिता की विजेता बनेंगी। दौड़ शुरू हुई तो वह पूरे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने लगीं। लेकिन कुछ दूरी के बाद उनकी चप्पलें फिसलने लगीं। इससे उनकी गति प्रभावित होने लगी। रमाबाई ने दौड़ रोकने के बजाय तुरंत चप्पलें उतार दीं और उन्हें हाथ में लेकर नंगे पैर दौड़ना शुरू कर दिया। इसके बाद उनके सामने एक और चुनौती थी। सड़क पर पड़े छोटे-बड़े पत्थर और पैरों में होने वाला दर्द। साथ ही साड़ी को संभालते हुए लगातार दौड़ना आसान नहीं था। लेकिन बेटी की पढ़ाई का लक्ष्य उनके लिए इन परेशानियों से बड़ा था। वह बिना रुके आगे बढ़ती रहीं और देखते ही देखते दूसरे प्रतिभागियों से आगे निकल गईं। आखिरकार उन्होंने दौड़ जीत ली। रमाबाई की जीत केवल तीन हजार रुपए के पुरस्कार तक सीमित नहीं रही। उनकी कहानी ने वहां मौजूद लोगों का ध्यान खींचा। एक सामान्य मां ने अपनी जरूरत को अपनी ताकत बनाया और परिस्थितियों को अपने रास्ते की बाधा नहीं बनने दिया। खास बात यह रही कि उन्होंने पुरस्कार की रकम को अपने लिए खर्च करने के बजाय बेटी की पढ़ाई के लिए रखने का फैसला किया।

उद्देश्य और इच्छाशक्ति

रमाबाई ने यह भी दिखाया कि प्रतियोगिता में जीतने के लिए हमेशा महंगे जूते, ट्रैक सूट या बेहतर संसाधन ही जरूरी नहीं होते। कई बार जीत की सबसे बड़ी ताकत इंसान के भीतर मौजूद उद्देश्य और इच्छाशक्ति होती है। उनके नंगे पैर दौड़ने की तस्वीर और बेटी की फीस के लिए पुरस्कार राशि बचाने का फैसला इस कहानी को भावनात्मक बना देता है। रमाबाई के लिए यह दौड़ सिर्फ कुछ किलोमीटर का सफर नहीं था, बल्कि बेटी के बेहतर भविष्य की ओर उठाया गया एक कदम था।

आज का कार्टून

अमृत योजना: काम तो अच्छा, लेकिन प्रोफेसर्स कॉलोनी में जिम्मेदारों की अनदेखी से मरम्मत करना ही भूले, अब मुश्किल में लोगों की आवाजाही

ऐ भाई...जरा देख के चलो! यहां पाइपलाइन बिछाने सड़कें खोदीं पर गड्ढे छोड़ दिए

कई जगह सड़क संकरी

भोपाल। दोपहर मेट्रो

भोपाल। शहर के प्रोफेसर कॉलोनी क्षेत्र में अमृत-2 योजना के तहत पानी की पाइपलाइन बिछाई जा रही है। लाइन डालने के लिए सड़कों की लगातार खुदाई की जा रही है। बारिश में पहले से ही सड़कों की हालत खराब है। अब खुदाई से भी लोगों की परेशानी बढ़ गई है। आलम यह है कि वाहन चालकों की आवाजाही मुश्किल हो गई है। बारिश में खुदाई वाले स्थानों पर मिट्टी और मलबा फैलने से रास्ते फिसलन भरे हो गए हैं। दोपहिया वाहन चालकों का यहां से निकलना भी दूभर हो रहा है।

खुदाई के कारण जगह-जगह सड़कें संकरी हो गई हैं। इससे वाहनों चालकों के साथ पैदल चलने वालों की भी फजीहत हो रही है। हद यह है कि खुदाई के बाद पाइपलाइन तो बिछा दी, लेकिन जिम्मेदारों ने सड़क की न तो मरम्मत की और न ही समतलीकरण किया।

क्षेत्रवासियों का कहना है कि अफसरों की लापरवाही से उन्हें कीचड़, गड्ढे और मलबे के बीच बचते हुए निकलना पड़ रहा है। रात में समस्या और बढ़ जाती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि खुदाई वाले स्थानों पर पर्याप्त बैरिकेडिंग, संकेतक और रोशनी की व्यवस्था नहीं की गई तो दुर्घटना की आशंका बनी रह सकती है। उन्होंने कहा, काम जरूरी है, लेकिन व्यवस्था तो बननी चाहिए। उन्होंने नगर निगम से मांग की है कि सड़कों को जल्द से जल्द व्यवस्थित किया जाए।

न्यूज विंडो

ताला तोड़कर चोरी, हिस्ट्रीशीटर भाई के साथ गिरफ्तार

भोपाल। बिलखिरिया थाना क्षेत्र की आदमपुर छावनी खेती में सुरक्षा व्यवस्था को धत्ता बताते हुए धर्मकांटे का ताला तोड़कर लाखों का सामान चोरी करने वाले दो सगे भाइयों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मुख्य आरोपी अर्जुन बंजारा बिलखिरिया थाने का निगरानी बदमाश और हिस्ट्रीशीटर है। पुलिस ने दोनों के कब्जे से करीब 6.50 लाख रुपए का चोरी का सामान बरामद किया है। पुलिस के मुताबिक आदमपुर खंती के अधिकारियों ने शिकायत में बताया था कि 29 अगस्त की सुबह करीब सात बजे धर्मकांटे का ताला टूटा मिला। 6 गार्ड तैनात थे, फिर भी चोरों ने मशीनों के उपकरण, दो कंप्यूटर, प्रिंटर, वेल्डिंग मशीन, कई कटर, 100 लोहे के एंगल और कुर्सियां तक ले गए।

निगरानी बदमाश ने दो युवकों को चाकू मारा, केस दर्ज

भोपाल। जहांगीराबाद में निगरानी बदमाश पर मंगलवार को दो युवकों से मारपीट और चाकू से हमला करने के आरोप लगे हैं। पुलिस ने दोनों मामलों में प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक संजय नगर निवासी निगम सफाईकर्मी छोटू कल्याणी की आरोपी धीर वर्मा से रंजिश चल रही है। इसी को लेकर छोटू पर चाकू से हमला कर दिया। उधर, मोहित रैकवार अपने दोस्त अभिषेक के यहां जा रहा था। आरोपी धीर वर्मा ने चाकू से हमला कर फोन छीन लिया। ।

नाबालिग से छेड़छाड़ करने वाले को तीन साल कठोर कारावास

भोपाल। नाबालिग के साथ छेड़छाड़ के आरोपी संतोष मालवीय निवासी ग्राम सुवरिया हाल परवलिया सड़क भोपाल को पॉक्सो एक्ट के विशेष न्यायाधीश मनोहर लाल पाटीदार ने 3 साल के कठोर कारावास और 2500 रुपए के जुर्माने की सजा सुनाई है। मामले में विशेष लोक अभियोजक अजय शंकर प्रजापति एवं ज्योति कुजूर ने पैरवी की थी। विशेष न्यायाधीश ने पीड़िता को मानसिक और शारीरिक आघात के लिए 4 लाख की प्रतिकर राशि अदा किए जाने के आदेश भी दिए हैं।

फंदे पर लटका मिला किशोर का शव, कारण तलाश रही पुलिस

भोपाल। अरेरा हिल्स थाना क्षेत्र की रोशनपुरा बस्ती में मंगलवार को 16 साल के किशोर का शव फंदे पर लटका मिला है। पुलिस के मुताबिक रोशनपुरा बस्ती निवासी आदिल पिता आजाद खान (16) का शव घर में फंदे पर लटका मिला है। घटना की सूचना मोहम्मद ईसा ने दोपहर करीब 12 बजे पुलिस को दी थी। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ एफएसएल टीम से भी जांच कराई है। कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। आत्महत्या के कारणों की तलाश कर रही है।

स्वास्थ्य विभाग की जांच में मिली सिद्धांता अस्पताल में 19 गड़बड़ियां, कार्रवाई

बिना डिग्री टेक्नीशियन, आईसीयू में गड़बड़ी, सिद्धांता का लाइसेंस रद्द

भोपाल। दोपहर मेट्रो

इमरजेंसी में पर्याप्त उपकरण नहीं, डायलिसिस में टेक्नीशियन के पास जरूरी पर्याप्त योग्यता नहीं, आईसीयू में भी संक्रमणमुक्त नहीं...और तो और सूचना पट्ट पर डॉक्टरों की फौज, लेकिन विशेषज्ञता का उल्लेख नहीं। ऐसी 19 गंभीर खामियों के साथ मरीजों का इलाज कर रहे सिद्धांता सुपर स्पेश्यलिटी अस्पताल का लाइसेंस और पंजीयन रद्द कर दिया गया। सीएमएचओ की जांच में ऐसी कई गड़बड़ी मिली। शिवाजी नगर में चल रहा यह अस्पताल अब नए मरीज भर्ती नहीं कर सकेगा। चिकित्सा-नर्सिंग सेवाएं भी नहीं चा सकेगा। हालांकि पहले से भर्ती मरीजों के इलाज की निरंतर व्यवस्था और सुरक्षा की जिम्मेदारी अस्पताल प्रबंधन की रहेगी। सीएमएचओ ने साफ किया है, मरीजों को ऐसी स्थिति में डिस्चार्ज या ट्रांसफर नहीं किया जाएगा, जिससे उनके जीवन या सेहत पर प्रतिकूल असर पड़े। सीएमएचओ कार्यालय के अनुसार, अस्पताल को 18 जून को जवाब मांगा था। इसके बाद कार्रवाई की गई।

जांच में इतनी गंभीर लापरवाही मिली

- **इमरजेंसी:** इमरजेंसी रूम में मरीजों की जांच के लिए पर्याप्त उपकरण नहीं मिले। सिर्फ एक बीपी मशीन, ट्रॉली पर एक ऑक्सीजन सिलेंडर था। इससे गंभीर मरीजों को तत्काल उपचार मिलने में देरी की आशंका जताई गई। इमरजेंसी की क्रैश कार्ट लॉक मिली।
- **डायलिसिस-आईसीयू:** डायलिसिस यूनिट में चार बेड थे, लेकिन निरीक्षण के दौरान दो टेक्नीशियन ही मिले। एक टेक्नीशियन के पास योग्यता का प्रमाण-पत्र नहीं मिला। एचबीवी, एचआईवी और एचसीवी संक्रमण से जुड़े मानकों के अनुरूप व्यवस्था नहीं होने का भी उल्लेख है।
- **आईसीयू:** आईसीयू में संक्रमित के लिए दो केबिन में असंक्रमित मरीज भर्ती मिले। जांच दल ने इसे जोखिमभरा बताया। ड्यूटी पर मौजूद एक डॉक्टर की योग्यता और एमओयू से जुड़े दस्तावेज भी नहीं दे सके।
- **डॉक्टर:** सूचना पट्ट के अनुसार अलग-अलग ओपीडी में डॉक्टर नहीं मिले। ओपीडी-1 में डॉ. राहुल पेशवानी थे, लेकिन सूचना पट्ट पर उनके समय व विशेषज्ञता का जिक्र नहीं था। अन्य डॉक्टर नहीं मिले।
- **जांच: एक्स-रे, सोनोग्राफी,** सीटी स्कैन क्षेत्र में मोबाइल एक्स-रे यूनिट से अनधिकृत तरीके से मरीजों की जांच की जा रही थी।
- **ऑक्सीजन लाइन:** टीएमटी टेस्ट के लिए जरूरी डिफिब्रिलेटर नहीं था। आईसीयू में झूला ऑक्सीजन लाइन चल रही थी, लेकिन निरीक्षण के दौरान सभी बेड खाली पाए गए।

'आयुष्मान' फर्जीवाड़ा, दो संचालकों पर केस दर्ज

इधर, आयुष्मान भारत योजना में भोपाल के दो अस्पतालों की धांधली उजागर हुई है। आनंद नगर स्थित मारुति मल्टीस्पेशलिस्ट अस्पताल और सूखी सेवनिया बायपास चौराहा स्थित यशवी मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल में फर्जीवाड़े का खुलासा होने के बाद दोनों संस्थानों को योजना से तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। संचालकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है। मारुति मल्टीस्पेशलिस्ट अस्पताल में संवेदनहीनता की सारी हदें पार कर दी गई। अस्पताल प्रबंधन ने कब्ज पीड़ित एक मरीज को बेवजह आईसीयू में भर्ती रखा। हद तो तब हो गई जब 21 अगस्त को मरीज की मौत होने के दो दिन बाद 23 अगस्त को स्वास्थ्य विभाग की टीम निरीक्षण के लिए पहुंची। जांच टीम को निरीक्षण के दौरान मरीज मृत अवस्था में मिला, लेकिन प्रबंधन मौत के बाद भी आयुष्मान योजना के तहत क्लेम की रकम ऐंठने के लिए अप्रूवल रिक्वेस्ट भेजता रहा। उधर, सूखी सेवनिया स्थित यशवी मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल के संचालक अरविंद गवन्डे के खिलाफ आयुष्मान योजना के क्षेत्रीय अधिकारी डॉ. रवींद्र गुप्ता की शिकायत पर सूखी सेवनिया थाने में बीएनएस की धारा 318(4) के तहत मामला दर्ज किया है।

डी-मार्ट व शराब दुकानें बंद कराई

सीलिंग का विरोध कोलार में बाजार बंद

भोपाल। दोपहर मेट्रो

भोपाल में चल रही सीलिंग कार्रवाई के विरोध में कोलार व्यापारी महासंघ के आह्वान पर आज पूरा बाजार बंद है। यहां तक कि डी-मार्ट और शराब की दुकानें भी बंद रखी गई हैं। कोलार तिराहे से गोल जोड़ तक सभी प्रतिष्ठान बंद हैं। इमरजेंसी सेवाएं जैसे मेडिकल, पेट्रोल पंप को बंद से छूट दी गई है। महासंघ के अध्यक्ष सुनील सिंह ने कहा कि सीलिंग की कार्रवाई गलत है। इससे व्यापारी सड़क पर आ गए हैं। इसलिए प्रदर्शन किया जा रहा है। व्यापारियों के विरोध के बीच नगर निगम लगातार तीसरे दिन आज भी कार्रवाई करेगा। अब तक कुल 170 प्रतिष्ठान बंद कराए जा चुके हैं। हालांकि, इसे लेकर व्यापारी विरोध भी कर रहे हैं। व्यापारियों ने मंगलवार को करीब चार घंटे तक रोशनपुरा चौराहे पर प्रदर्शन किया था।

रोजमर्रा के सामान के लिए लोग परेशान

बाजार बंद रहने से क्षेत्र की कई दुकानें और व्यावसायिक प्रतिष्ठान बंद रहे। इससे लोगों को रोजमर्रा के सामान की खरीदारी के लिए खासी परेशानियों का सामना करना पड़ा। व्यापारियों ने प्रशासन से कार्रवाई पर पुनर्विचार करने और समस्या का समाधान बातचीत के जरिए निकालने की मांग की। नियमों का पालन कराने के साथ व्यापारियों के हितों का भी ध्यान रखा जाना चाहिए।

184 करोड़ से सिस्टम सुधारने की चल रही कवायद

भोपाल-आरकेएमपी, निशातपुरा स्टेशन की बदलेगी तस्वीर, रेलवे बनाएगा ड्रेनेज

भोपाल। दोपहर मेट्रो

बारिश के दौरान रेलवे स्टेशनों और आसपास होने वाले जलभराव से यात्रियों और स्थानीय लोगों को होने वाली परेशानी को कम करने के लिए रेलवे अब ड्रेनेज व्यवस्था को मजबूत करने जा रहा है। रानी कमलापति (आरकेएमपी), भोपाल और निशातपुरा रेलवे स्टेशन के पास नया ड्रेनेज बनाया जाएगा। इसके लिए रेलवे 1.84 करोड़ रुपए खर्च करेगा। ठेकेदार को काम पूरा करने के लिए नौ माह का समय दिया गया है। अभी बारिश होने पर कई स्थानों पर पानी की निकासी प्रभावित होती है। स्टेशन और यार्ड क्षेत्र में भी पानी जमा हो रहा है। इससे यात्रियों को प्लेटफार्म तक पहुंचने, बाहर निकलने और वाहनों से आवाजाही करने में परेशानी होती है। इस सुविधा के बाद लोगों को बड़ी राहत मिलेगी।

स्टेशन आना होगा आसान, रेलवे को भी होगा फायदा

- **आरकेएमपी** और भोपाल स्टेशन शहर के प्रमुख यात्री केंद्र हैं। निशातपुरा से भी यात्रियों की आवाजाही बढ़ रही है।
- **तीनों** ही स्टेशनों पर ड्रेनेज निर्माण से यात्री सुविधाएं बढ़ेंगी। इसका फायदा रेलवे के यार्ड क्षेत्र को भी मिलेगा।
- **यार्ड** में पानी जमा न होने से ट्रैक के आसपास की जमीन, रेल संरचनाओं व यार्ड की कार्यप्रणाली पर पड़ने वाला असर कम किया जा सकेगा। रेलवे का ट्रेनों का ऑपरेशन भी आसान होगा।

अंतरराज्यीय स्तर पर वन्य जीवों की तस्करी में आरोपी की जमानत याचिका खारिज

भोपाल। स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स, क्षेत्रीय इकाई इंदौर द्वारा अंतरराज्यीय स्तर पर जलीय वन्यजीवों की अवैध तस्करी करने वाले संगठित गिरोह के खिलाफ की गई कार्रवाई में सफलता हासिल हुई है। सत्र न्यायालय, इंदौर ने वन अपराध प्रकरण में शामिल आरोपी रोहन गौड़ की नियमित जमानत याचिका एवं सह-आरोपी रौनक जुनेजा की अग्रिम जमानत याचिका को निरस्त कर दिया है। 19 अगस्त को स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स इंदौर की टीम ने तीन इमली चौराहा, इंदौर से आरोपी रोहन गौड़ एवं केशव शर्मा को पकड़ा था एवं आरोपियों के कब्जे से विभिन्न प्रजातियों के 30 नग दुर्लभ जीवित कछुए, बाइक एवं 3 मोबाइल फोन जब्त किए थे।

25 अक्टूबर से इंडिगो में सुविधा

अब भोपाल से हैदराबाद के लिए 186 सीटर एयरबस

भोपाल। दोपहर मेट्रो

भोपाल से हैदराबाद के बीच हवाई सफर करने वाले यात्रियों के लिए अच्छी खबर है। इंडिगो ने इस रूट पर विमान की क्षमता बढ़ाने का फैसला किया है। 25 अक्टूबर से भोपाल से हैदराबाद के लिए 78 सीटर एटीआर विमान की जगह अब 186 सीटर एयरबस चलेगी। इससे एक उड़ान में यात्री सीटों की संख्या में वृद्धि होगी। सीटें ज्यादा होने से विमान के किराए में भी कमी आ सकती है। हालांकि अभी यह तय नहीं है। अभी इंडिगो की भोपाल से हैदराबाद जाने वाली सीधी फ्लाइट रोजाना संचालित होती है। मौजूदा शेड्यूल के अनुसार फ्लाइट भोपाल के राजा भोज एयरपोर्ट से शाम 7:40 बजे रवाना होकर रात 9:55 बजे हैदराबाद पहुंचती है। हैदराबाद से दोपहर 12:25 बजे रवाना होकर दोपहर 2:50 बजे भोपाल पहुंचती है।

मेट्रो एंकर मोबाइल अच्छा, पर लत बुरी, दो अलग-अलग मामलों में पुलिस ने किया रेस्क्यू

मां ने डांटा... पढ़ाई करने को कहा तो 9 साल की बहन को साथ लेकर दिल्ली की ट्रेन में चढ़ा 13 साल का किशोर, झांसी में पुलिस ने उतारा

भोपाल। दोपहर मेट्रो

शहर के किशोरों की मनोदशा पर मोबाइल फोन हावी हो रहा है। अब हालात ऐसे हैं कि घर में उनकी बात नहीं मानने पर वे घर ही छोड़ने को तैयार हैं। ताजा मामला शहर के दो किशोरों का है। मां ने डांटा और बच्चों से मोबाइल छीन लिया तो 13 साल के किशोर ने 9 साल की बहन को साथ लिया और घर से ही निकल गया। दोनों ट्रेन से दिल्ली के सफर पर चल निकले। हालांकि पुलिस ने दोनों को झांसी में रेस्क्यू कर लिया। वहीं, दूसरे मामले में 14 साल के किशोर के घर छोड़ने का कारण भी यही था। दोनों मामलों में बच्चों का रेस्क्यू कर माता-पिता को सौंप दिया है। इस साल के 8 माह में ही प्रदेश में ऐसे 23 मामले सामने आए हैं।

काउंसलिंग में किशोर ने बताया कि मां हर वक्त पढ़ाई को लेकर दोनों भाई-बहन के पीछे पड़ी रहती है। हाल ही में स्कूल टेस्ट के रिजल्ट आए थे। इसमें कम नंबर देख मां ने बहुत सख्ती की। वह मोबाइल पर गेम खेल रहा था। मां ने देख लिया। डांटा और मोबाइल छीन लिया। इसलिए घर छोड़कर नानी के पास जा रहा था। वह बोला-बहन को छोड़ जाता तो वह अकेली डांट खाती, इसलिए उसे भी साथ ले लिया।

मोबाइल से ये जोखिम

- **फोन की** लत होने पर फोन न मिलने पर चिड़चिड़ापन।
- **ध्यान भटकना,** नींद पूरी न होना।
- **देर रात तक** स्क्रीन देखने से सोने का समय बिगड़ सकता है।

मां ने फ्रेंड की चैट पढ़ ली और मुझे खूब डांटा

दूसरे मामले में रेस्क्यू किए गए किशोर ने काउंसलर को बताया कि मां ने उसकी और उसकी एक फ्रेंड की चैट पढ़ ली। मां को शक हुआ था कि मेरी कोई गर्लफ्रेंड है। इसलिए उन्होंने मेरा मोबाइल भी छीन लिया। दोनों मामलों में माता-पिता ने भी कांउसलर को बताया कि बच्चे पढ़ते नहीं हैं। वे मोबाइल में बिजी रहते हैं। समझाने के बाद भी नहीं मानते। इस पर काउंसलर ने पैरेंट्स से कहा कि वे बच्चों के साथ संयम से पेश आएं। उनसे संवाद करें।

साइकोलॉजिस्ट बोलीं- बच्चों से संवाद बढ़ाएं

साइकोलॉजिस्ट दिव्या दुबे मिश्रा का कहना है कि जब बच्चे गैजेट्स के एडिक्शन के आदी हो जाते हैं तो उनका दिमाग खुशी महसूस कराने वाले हार्मोन डोपामाइन के लिए स्क्रीन पर निर्भर हो जाता है। यदि अचानक उनसे फोन ले लिया जाए या उन्हें डांटा जाता है तो वह इस तरह का कदम उठा सकते हैं। दरअसल, बच्चे सही-गलत के बीच अंतर भूल जाते हैं। पैरेंट्स उनकी भावनाओं को समझें। उन्हें ऐसा बनाएं कि वे हर बात शेयर करें। इससे उन्हें पैरेंट्स में भी दोस्त नजर आएगा।

हनुमानगंज में देर रात नशेड़ी युवकों का हंगामा

वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस से भिड़े दो युवक, गाड़ी पटकी कहा-आग लगा दो

भोपाल। दोपहर मेट्रो

शहर में मंगलवार देर रात हनुमानगंज थाना क्षेत्र में सड़क पर जमकर हंगामा मचा। वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस कर्मचारियों ने दो एक्टिवा सवार दो युवक भिड़ गए। नशे की हालत में वाहन चला रहे युवकों को पुलिस ने रोका तो दोनों ने तमाशा कर दिया। युवकों ने अपनी ही गाड़ी को बीच सड़क पर पटकते हुए चिल्लाना शुरू किया कि 'इसको आग लगा दो, इसका चालान देने को हम तैयार हैं। उनकी जुबान नशे में लड़खड़ा रही थी। पुलिस ने शांति से समझाया, पर वे हंगामा करते रहे। आखिरकार पुलिस ने ब्रेथ एनालाइजर मशीन से शराब पीने की जांच करने की कोशिश की तो दोनों बहस करने लगे। काफी देर तक चले इस ड्रामे के बाद जब युवकों ने धक्का-मुक्की और बदतमीजी की। तब पुलिस ने सख्ती दिखाई और दोनों को थाने ले गए। पुलिस ने बताया, दोनों से पूछताछ की जा रही है। वे अपना नाम और पता भी बार-बार गलत बता रहे हैं। उनकी शिनाख्ती का प्रयास किया जा रहा है।

एमपी में सड़कों की रफ्तार का प्लान, जबलपुर रिंग रोड की समयसीमा तय

भोपाल-इंदौर और उज्जैन-झालावाड़ एक्सप्रेसवे जल्द होंगे शुरू

भोपाल, दोपहर मेट्रो

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्गों और बड़ी सड़क परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए निर्माण कार्यों में तेजी लाने के सख्त निर्देश दिए हैं। उन्होंने भोपाल-इंदौर और उज्जैन-झालावाड़ ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे से जुड़ी सभी जरूरी प्रक्रियाएं जल्द पूरी कर निर्माण शुरू कराने को कहा। मंत्री ने स्पष्ट किया कि प्रदेश की महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं में अनावश्यक देरी किसी भी स्थिति में नहीं होनी चाहिए।

जबलपुर रिंग रोड की समयसीमा तय- बैठक में जबलपुर रिंग रोड के पांच पैकेजों की प्रगति की समीक्षा की गई। चार पैकेजों का काम संतोषजनक पाया गया, जबकि पांचवें पैकेज में अपेक्षित गति नहीं मिलने पर कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। मंत्री ने चार पैकेज दिसंबर 2026 तक और पांचवां पैकेज जून 2027 तक पूरा करने को कहा। इससे पूरी रिंग रोड परियोजना निर्धारित समय में पूरी हो सकेगी।

शहपुरा टोल पर फिलहाल नहीं देना होगा शुल्क

भोपाल-जबलपुर मार्ग पर शाहपुर रेलवे पुल क्षतिग्रस्त होने से यातायात मार्ग परिवर्तित किया गया है। इसके कारण शहपुरा स्थित टोल नाके पर शुल्क वसूली को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी थी। मंत्री राकेश सिंह ने मामले को गंभीरता से लेते हुए शहपुरा-भिटौनी टोल नाके पर अस्थायी रूप से टोल वसूली बंद करने के निर्देश दिए।

बारिश से खराब सड़कों की तुरंत मरम्मत

मंत्री ने राष्ट्रीय राजमार्गों के रखरखाव, निर्माण गुणवत्ता और सड़क सुरक्षा पर विशेष जोर दिया। अधिकारियों ने बताया कि बारिश के दौरान क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत तेजी से की जा रही है। मंत्री ने निर्देश दिए कि किसी भी क्षतिग्रस्त सड़क की मरम्मत में देरी न हो और राजमार्गों की गुणवत्ता तथा रखरखाव का स्तर लगातार बेहतर किया जाए।

जबलपुर-दमोह मार्ग पर जल्द शुरू होगा सुधार कार्य

जबलपुर-दमोह मार्ग की जरूरी मरम्मत जल्द शुरू कराने के निर्देश दिए गए। वहीं उज्जैन-गरोठ मार्ग के निर्माण में सामने आई गुणवत्ता संबंधी समस्याओं पर मंत्री ने गंभीरता जताई। उन्होंने अधिकारियों को निर्माण की जांच कराने और खामियां मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

नई परियोजनाओं में देरी बर्दाश्त नहीं

राकेश सिंह ने कहा कि प्रदेश में सड़क विकास केवल नई परियोजनाएं शुरू करने तक सीमित नहीं है। निर्माण की गुणवत्ता, समय पर काम पूरा करना, नियमित रखरखाव और सड़क सुरक्षा पर भी समान ध्यान देना जरूरी है। उन्होंने अधिकारियों से सभी परियोजनाओं की लगातार निगरानी करने और निर्धारित समयसीमा में कार्य पूरा कराने को कहा।

ऊंचाई पर पहुंचना कठिन नहीं, ऊंचाई पर बने रहना चुनौतीपूर्ण है : शुक्ल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल आज पीआईएमआर, भोपाल के दीक्षारंभ-2026 कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने संस्थान में नवप्रवेशित विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नए विद्यार्थियों के लिए यह अभिमुखीकरण कार्यक्रम उनके शैक्षणिक जीवन की महत्वपूर्ण शुरुआत है। उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी पढ़ाई और भविष्य पर पूरी गंभीरता से ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि आज का युवा, जिसे जेन-जी कहा जाता है, ऐसे समय में आगे बढ़ रहा है जब भारत तेजी से बदल रहा है। यह युवाओं के लिए सौभाग्य की बात है। सरकार द्वारा अधोसंरचना और शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर कार्य किया जा रहा है। जब मजबूत अधोसंरचना तैयार होती है, तो विभिन्न क्षेत्रों में विकास को गति मिलती है तथा देश की प्रगति की गति और विस्तार बढ़ता है।

बढ़ रही व्यापारियों की चिंता, तेज हो रहा आंदोलन

भोपाल मास्टर प्लान-2047 का खाका तैयार, जल्द जारी करने की है तैयारी

मेट्रो ट्रेन परियोजना के दोनों ओर बनाई जा सकेंगी बहुमंजिला इमारतें

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल के सुव्यवस्थित विकास को सुनिश्चित करने के लिए बीस साल बाद बहुप्रतीक्षित मास्टर प्लान-2047 का खाका तैयार हो गया है। सभी संबंधित पक्षों से चर्चा का दौर भी पूरा होने वाला है। इसका प्रारूप कभी भी जारी किया जा सकता है। इसमें रहवासी क्षेत्र में कहां व्यावसायिक गतिविधियां संचालित की जा सकती हैं, इसकी शर्तें क्या रहेंगी, प्लानिंग क्षेत्र, औद्योगिक विकास, ग्रीन लैंड आदि के प्रविधान किए गए हैं।

रहवासी इलाकों के लिए नए नियम- ऐसे रहवासी क्षेत्र, जहां मुख्य मार्ग की चौड़ाई 18 मीटर से भी कम है, वहां व्यावसायिक गतिविधियां संचालित करने की अनुमति नहीं रहेगी। योजना क्षेत्र लगभग 1,017 वर्ग किलोमीटर रहेगा। इसमें 254 गांव शामिल होंगे। भोपाल के चारों कोनों पर उद्योगों की आवश्यकता के हिसाब से व्यवस्थाएं विकसित होंगी। मेट्रो ट्रेन परियोजना के दोनों ओर बहुमंजिला इमारतें बनाई जा सकेंगी। इंदौर के मास्टर प्लान पर भी सरकार अध्ययन कर रही है। इसका निर्णय बाद में लिया जाएगा। भोपाल का मास्टर प्लान 1995 में आया था, उस समय भोपाल की आबादी 10 से 15 लाख थी। इसकी अवधि काफी पहले समाप्त हो चुकी है और लगातार नए मास्टर प्लान की मांग की जा रही है।

रहवासी क्षेत्रों के लिए मिश्रित उपयोग जोन

सूत्रों का कहना है कि रहवासी क्षेत्रों में व्यावसायिक गतिविधियों के संचालन के लिए स्पष्ट प्रविधान इसमें किए जा सकते हैं। इसके लिए मुख्य मार्ग की चौड़ाई को ध्यान में रखा जाएगा। 18 से 24 मीटर की चौड़ाई होने पर पार्किंग सुविधा सहित अन्य शर्तों के अधीन अनुमति दी जा सकती है। इससे उन कारोबारियों को राहत मिल सकती है, जिनके व्यवसाय पर इन दिनों संकट के बादल मंडरा रहे हैं।

15 सितंबर को मामले की सुनवाई

2010 में आया प्लान ठंडे बस्ते में है। बीच-बीच में नगर तथा ग्राम निवेश संचालनालय द्वारा प्रयास किए गए मगर बात नहीं बनी। इस बीच रहवासी क्षेत्रों में व्यावसायिक गतिविधियों के संचालन पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा रोक लगा दी गई। नगर निगम द्वारा व्यावसायिक प्रतिष्ठान बंद कराए गए। राज्य सरकार ने बीच का रास्ता निकालने के लिए कमेटी बनाई लेकिन सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के कारण इसे निरस्त कर दिया गया। 15 सितंबर को मामले की सुनवाई होनी है।

हरी झंडी मिलते ही किया जाएगा सार्वजनिक

सूत्रों के अनुसार सुनवाई से पहले भोपाल का मास्टर प्लान जारी किया जा सकता है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग और नगर तथा ग्राम निवेश संचालनालय ने इसकी तैयारी कर ली है और शीर्ष स्तर से हरी झंडी मिलते ही इसे सार्वजनिक कर दिया जाएगा। दावा किया जा रहा है कि यह शहर की भविष्य की आवश्यकताओं को पूरा करने की दिशा में बड़ा कदम होगा और तमाम समस्याओं के समाधान भी इसमें मिलेंगे।

मेट्रो मार्ग के दोनों ओर बहुमंजिला इमारतें बनाने की अनुमति

भोपाल में मेट्रो रेल परियोजना का काम तेजी के साथ चल रहा है। इसके दोनों ओर बहुमंजिला भवन बनाने की अनुमति दी जाएगी। यह 15 मंजिला तक हो सकते हैं। कृषि क्षेत्र में भी स्कूल, कालेज, अस्पताल, गोदाम आदि गतिविधियां संचालित हो सकेंगी। इसके लिए संचालनालय से अनुमति लेनी होगी।शहर के चारों कोनों पर व्यावसायिक गतिविधियों के लिए स्थान सुरक्षित किए जाएंगे।

दिग्गी का अपनी ही पार्टी के नेताओं पर हमला, बोले

'जब आरएसएस पर सवाल उठाता था तो कांग्रेस नेता इसे मेरा निजी बयान बताते थे'

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने अपनी ही पार्टी के पुराने नेताओं और पदाधिकारियों पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने पुराने घटनाक्रमों का जिक्र करते हुए कांग्रेस की तत्कालीन कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। दिग्विजय सिंह के बयान के बाद पार्टी के भीतर पुराने मतभेदों और संघ को लेकर कांग्रेस की नीति पर चर्चा तेज हो गई है।

दिग्विजय सिंह ने कहा कि वह वर्ष 1972 से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के खिलाफ लगातार संघर्ष करते रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि वह ऐसे क्षेत्र से आते हैं, जिसे संघ की विचारधारा का मजबूत केंद्र माना जाता था। इसी क्षेत्र से उन्होंने चुनाव लड़ा, जीत हासिल की और कांग्रेस को भी चुनावी सफलता दिलाई। उन्होंने आरोप लगाया कि जब भी वह इन संगठनों के खिलाफ खुलकर आवाज उठाते थे, तब कांग्रेस के तत्कालीन केंद्रीय प्रचार तंत्र के प्रमुख उनके बयानों से दूरी बना लेते थे। उनके बयान को पार्टी का आधिकारिक रुख बताने के बजाय निजी विचार कहकर किनारा कर लिया जाता था।

दिग्विजय सिंह ने तत्कालीन कांग्रेस सरकार के एक केंद्रीय गृहमंत्री से जुड़ी घटना का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि जब वह बम धमाकों के मामलों में आरोपी संघ कार्यकर्ताओं के खिलाफ शिकायत लेकर उनके पास पहुंचे, तब गृहमंत्री ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को राष्ट्रवादी संगठन बताया था। दिग्विजय सिंह के इस दावे ने कांग्रेस के पुराने शासनकाल में संघ को लेकर पार्टी के भीतर मौजूद मतभेदों को फिर सामने ला दिया है।

अब नेतृत्व ने पहचाना संघ का असली चेहरा

दिग्विजय सिंह ने वर्तमान कांग्रेस नेतृत्व पर संतोष जताते हुए कहा कि उन्हें इस बात की खुशी है कि अब राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे और प्रियंका गांधी सहित पार्टी के शीर्ष नेताओं ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कथित असली स्वरूप को पहचान लिया है। उनके बयान को एक साथ दो मोर्चों पर हमला माना जा रहा है। एक ओर उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर अपना पुराना रुख दोहराया, वहीं दूसरी ओर कांग्रेस के पुराने नेतृत्व की भूमिका पर भी सवाल खड़े कर दिए। उनके तीखे बयान ने मध्य प्रदेश से लेकर राष्ट्रीय राजनीति तक कांग्रेस की पुरानी रणनीति और अंदरूनी मतभेदों को फिर बहस के केंद्र में ला दिया है।

उच्च शिक्षा विभाग ने 16 कॉलेजों में कर्मचारियों को दिया प्रमोशन

कर्मचारियों को वर्षों बाद पदोन्नति मिली

जबलपुर, दोपहर मेट्रो

प्रदेश के 16 महाविद्यालयों में तृतीय श्रेणी के कर्मचारियों को पदोन्नति देकर द्वितीय श्रेणी के रजिस्ट्रार(पंजीयक) के पद पर पदस्थ किया गया।इस संबंध में उच्च शिक्षा विभाग ने सोमवार को आदेश जारी कर दिया है।इन कर्मचारियों को वर्षों इंतजार के बाद पदोन्नति दी गई है।

आदेश के अनुसार संबंधित कर्मचारियों को पदोन्नति के बाद आगामी आदेश तक विभिन्न शासकीय महाविद्यालयों एवं संस्थानों में रजिस्ट्रार के पद पर पदस्थ किया गया है। आदेश के तहत एमएल. मंगरोलिया को शासकीय मोतीलाल विज्ञान महाविद्यालय, भोपाल में ही पदस्थ किया गया है। दिलीप तिवारी को उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान, भोपाल, जबकि तरूलता शर्मा को सरोजनी नायडू शासकीय कन्या पीजी महाविद्यालय, भोपाल में पदस्थ किया गया है। राकेश शर्मा को शासकीय हमीदिया कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, भोपाल में जिम्मेदारी दी गई है।

इंदौर, उज्जैन सहित अन्य जिलों में भेजे गए रजिस्ट्रार

इसी क्रम में केएल उपाध्याय को शासकीय होलकर विज्ञान महाविद्यालय, इंदौर और आनंद कुमार चौधरी को शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, उज्जैन भेजा गया है। संतोष कुमार सक्सेना को चन्द्रशेखर आजाद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सीहोर और ज्योति केने को शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भोपाल में पदस्थ किया है।

सरकार की सख्ती : 30 दिन से ज्यादा स्टॉक रखा तो होगी कार्रवाई

डीलरों के लिए 4 हजार क्विंटल की सीमा तय

पोर्टल पर हर डीलर को देनी होगी भंडार की जानकारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में चीनी के अनियंत्रित भंडारण और जमाखोरी पर सरकार ने शिकंजा कस दिया है। राज्य में अब कोई भी डीलर एक समय में 4 हजार क्विंटल से अधिक चीनी का स्टॉक नहीं रख सकेगा। इसके साथ ही डीलरों को यह सुनिश्चित करना होगा कि चीनी का भंडार 30 दिन से अधिक समय तक उनके पास जमा न रहे। सरकार ने व्यवस्था में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए स्टॉक की जानकारी ऑनलाइन दर्ज करना भी अनिवार्य कर दिया है।

सरकारी वितरण के स्टॉक को छूट

हालांकि, यह सीमा सरकारी खाते पर रखे गए स्टॉक पर लागू नहीं होगी। राज्य सरकार या उसके अधिकृत प्राधिकारी द्वारा सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत उचित मूल्य की दुकानों के माध्यम से उपभोक्ताओं को वितरण के लिए किसी डीलर के पास रखे गए चीनी के भंडार को इस सीमा से बाहर रखा गया है। सरकार ने बड़े उपभोक्ताओं के लिए भी भंडारण की अवधि निर्धारित की है। उत्पादन या उपयोग के लिए प्रतिमाह कम से कम 10 मीट्रिक टन चीनी इस्तेमाल करने वाले थोक उपभोक्ता 15 दिनों से अधिक का स्टॉक नहीं रख सकेंगे। इनमें हलवाई, मिठाई विक्रेता, शीतल पेय निर्माता और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग जैसे प्रतिष्ठान शामिल हैं।

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि नए प्रावधानों के पालन के लिए प्रदेश के सभी कलेक्टरों को आवश्यक निर्देश जारी कर दिए गए हैं। अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में डीलरों के स्टॉक पर नजर रखने और नियमों का सख्ती से पालन कराने के निर्देश दिए गए हैं। सरकार के मुताबिक प्रत्येक डीलर को भारत सरकार के खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग के पोर्टल पर अपने पास उपलब्ध चीनी के स्टॉक की घोषणा नियमित रूप से अद्यतन करनी होगी।

फेम इंडिया एशिया पोस्ट ने जारी की लिस्ट

एमपी की श्रद्धा तिवारी देश के टॉप-25 पुलिस अधीक्षकों में

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में एसपी रह चुकीं श्रद्धा तिवारी को देश के टॉप-25 पुलिस अधीक्षकों में चुना गया है। फेम इंडिया-एशिया पोस्ट की ओर से प्रभावी पुलिस नेतृत्व, कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण, जनसुरक्षा, अनुसंधान, विशेष अभियानों, तकनीक के उपयोग और जनभागीदारी के आधार पर उनका चयन किया गया है।

फेम इंडिया-एशिया पोस्ट ने पहले देशभर के 100 पुलिस अधीक्षकों की सूची जारी की थी, जिसमें श्रद्धा तिवारी भी शामिल थीं। इसके बाद किए गए चयन में उन्होंने टॉप-25 में जगह बनाई है। खास बात यह है कि सूची में शामिल 25 अधिकारियों के नाम वर्णमाला क्रम में रखे गए हैं।

फेम इंडिया के संपादक धीरज कुमार के मुताबिक विशेष सूची में कुल 30 पुलिस अधिकारी शामिल हैं। इनमें टॉप-25 के अलावा पांच अधिकारियों को 'सुपर-5' श्रेणी में रखा गया है। चयन में अधिकारियों के फील्ड अनुभव, नेतृत्व क्षमता, चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में निर्णय लेने की क्षमता, अपराध नियंत्रण, कानून-व्यवस्था प्रबंधन, नागरिक सेवाओं, पुलिस आधुनिकीकरण और जनविश्वास को

मेट्रो एंकर | महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा क्लेम रिजेक्ट हुए, गुजरात के बाद मप्र तीसरे नंबर पर

प्रदेश में पांच साल में 631.71% बढ़ीं बीमा संबंधी शिकायतें

भोपाल, दोपहर मेट्रो

हेल्थ इंश्योरेंस, वाहन बीमा से संबंधित शिकायतें लगातार बढ़ती जा रहीं हैं। बीमा लोकपाल के पास पहुंचने वाली शिकायतें एमपी में पिछले पांच सालों में 631.71त्न बढ़ गई हैं। पॉलिसी बेचते समय %कैशलेस% का वादा करने वाली कंपनियां क्लेम के वक्त नियम-शर्तों की ऐसी बारीक लाइनें सामने रख देती हैं कि उपभोक्ता खुद को ठगा सा महसूस करता है। अपनी ही गाढ़ी कमाई के पैसों के लिए दफ्तरों के चक्कर काट-काटकर परेशान हो चुके उपभोक्ता अब हार मानकर लोकपाल और अदालतों की शरण ले रहे हैं। लोक सभा में पेश किए गए सरकारी आंकड़ों ने बीमा क्षेत्र की इस मनमानी की पोल खोलकर रख दी है।

जब कंपनियों ने बंद की फाइलें, तो कोर्ट पहुंचे पॉलिसी होल्डर

जब बीमा कंपनियां नो-क्लेम का ठप्पा लगाकर उपभोक्ताओं की फाइलें बंद कर देती हैं, तब मजबूरन लोगों को कोर्ट और उपभोक्ता फोरमों का दरवाजा खटखटाना पड़ता है। आंकड़ों के मुताबिक, नेशनल लेवल पर कोर्ट पहुंचने वाले इन विवादित मामलों की संख्या वर्ष 2021-22 में जहां 19,025 थी, वह अब (2025-26) में ढाई गुना बढ़कर 46,122 हो चुकी है। मध्य प्रदेश के संदर्भ में देखें तो इस साल अकेले लोकपाल ने रिकॉर्ड 1,745 मामलों का निपटारा सीधे तौर पर पीड़ित परिवारों के पक्ष में किया है। वहीं अदालतों में भी उपभोक्ताओं की जीत का सिलसिला लगातार मजबूत हुआ है। पिछले पांच सालों में क्रमशः 10,871, 13,442, 22,015, 23,765 और इस साल रिकॉर्ड 25,418 से अधिक फैसले सीधे तौर पर ग्राहकों के हक में आए हैं। यह साबित करता है कि कंपनियां जिन दावों को खारिज कर रही थीं, उनका आधार कानूनी रूप से बिल्कुल गलत और मनमाना था। लोक सभा की रिपोर्ट में जो सबसे चौंकाने वाला तथ्य सामने आया है, वह यह है कि क्लेम रिजेक्ट करने और उपभोक्ताओं को रुलाने में देश का सबसे बड़ा औद्योगिक राज्य महाराष्ट्र सबसे आगे है, जहां वर्ष 2025-26 में सबसे ज्यादा 7,333 क्लेम रिजेक्ट होने की शिकायतें दर्ज की गईं।

2,700 पर पहुंचीं शिकायतें- मध्य प्रदेश में बीमा कंपनियों की तानाशाही साल-दर-साल बढ़ते आंकड़ों से साफ समझ आती हैं। साल 2021-22 में प्रदेश भर से बीमा लोकपाल के पास दावों की हेराफेरी और रिजेक्शन को लेकर महज 369 शिकायतें दर्ज कराई गई थीं। इसके अगले ही साल 2022-23 में शिकायतों का यह ग्राफ करीब तीन गुना की छलांग लगाकर 913 पर जा पहुंचा। इसके बाद आम उपभोक्ताओं को परेशान करने का खेल और तेजी से बढ़ा। वर्ष 2023-24 में यह आंकड़ा सीधे 2,405 पर पहुंच गया और वर्ष 2024-25 में भी कुल 2,420 नए विवादित मामले सामने आए। हद तो तब हो गई जब वर्ष 2025-26 की ताजा रिपोर्ट में मध्य प्रदेश से रिकॉर्ड 2,700 शिकायतें लोकपाल के दफ्तर पहुंचीं। यह आंकड़ा साफ गवाही देता है कि पिछले 5 साल में कंपनियों ने प्रदेश के उपभोक्ताओं का जीना दूभर कर दिया है, जिसके चलते शिकायतों में 631.71त्न का यह खौफनाक उछाल आया है।

न्याय के मंदिर पर सवाल

न्यायपालिका को लोकतंत्र का वह स्तंभ माना जाता है, जहां नागरिक अपने अधिकार, सम्मान और न्याय की अंतिम उम्मीद लेकर पहुंचता है। ऐसे में उसी व्यवस्था के भीतर काम करने वाली महिला न्यायाधीशों की गरिमा और सुरक्षा पर गंभीर सवाल उठना केवल किसी एक घटना का विषय नहीं, बल्कि पूरी संस्थागत कार्यसंस्कृति पर विचार का अवसर है। सुप्रीम कोर्ट की वरिष्ठ अधिवक्ता इंदिरा जयसिंह ने न्यायपालिका में महिला जजों के कथित यौन उत्पीड़न को लेकर गंभीर दावे किए हैं। उनका कहना है कि कई महिला जजों ने उनसे अपने अनुभव साझा किए हैं और न्यायपालिका में यौन उत्पीड़न एक ऐसा 'डर्टी सीक्रेट' है, जिस पर खुलकर बात करने से लोग बचते हैं। जयसिंह ने इस समस्या के पीछे न्यायपालिका की हायरार्की को एक महत्वपूर्ण कारण बताया। उनका तर्क है कि जब संस्था में पद और अधिकार का अंतर बहुत गहरा हो, तो कनिष्ठ अधिकारी के लिए वरिष्ठ के अनुचित व्यवहार का विरोध करना कठिन हो सकता है। महिला न्यायिक अधिकारियों के मामले में यह दबाव और अधिक गंभीर हो सकता है। उन्होंने जिला अदालतों की महिला जजों से जुड़ी एक कथित परंपरा का भी उल्लेख किया। उनके अनुसार, कुछ अवसरों पर महिला न्यायिक अधिकारियों से एक जैसे परिधान में वरिष्ठ पुरुष जजों के स्वागत में विशेष भूमिका निभाने की अपेक्षा की जाती है। यदि ऐसी परंपराएं वास्तव में मौजूद हैं, तो सवाल उठता है कि न्यायिक संस्था में महिला की पहचान उसकी योग्यता और पद से होगी या ऐसी सामाजिक भूमिकाओं से, जिनका न्यायिक जिम्मेदारियों से कोई संबंध नहीं। जयसिंह ने एक अन्य घटना का उल्लेख करते हुए दावा किया कि एक महिला जज को वरिष्ठ जज के निजी समारोह में अनुचित ढंग से नृत्य करने के लिए कहा गया। विरोध के बाद कथित तौर पर उसे नौकरी गंवानी पड़ी। इन घटनाओं की सत्यता का निर्धारण स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच से ही संभव है, लेकिन ऐसे दावे सामने आना भी संस्थागत जवाबदेही की आवश्यकता को रेखांकित करता है। पदानुक्रम किसी भी संस्था की कार्यप्रणाली का हिस्सा हो सकता है, लेकिन वह भय का पर्याय नहीं होना चाहिए। वरिष्ठता अधिकार देती है, किसी की गरिमा पर नियंत्रण का अधिकार नहीं। इसलिए इन आरोपों को न तो बिना जांच अंतिम सत्य माना जाना चाहिए और न ही महज विवाद समझकर नजरअंदाज किया जाना चाहिए।

आईएएस अफसर दिव्या के इस्तीफे को विपक्ष का हथियार नहीं बनने देगी सरकार!

मनोज कुमार अग्रवाल
स्तंभकार

सभी जानते हैं कि यूपीएससी परीक्षा पास करने के लिए हर साल तेरह लाख से अधिक बच्चे तैयारी करते हैं हर साल भारत में लगभग 11 लाख से 13 लाख छात्र यूपीएससी (संघ लोक सेवा आयोग) सिविल सेवा परीक्षा के लिए आवेदन करते हैं। यानि हर साल औसतन 11 से 13 लाख उम्मीदवार फॉर्म भरते हैं।प्रारंभिक परीक्षा में इनमें से लगभग 50% से 55% छात्र ही (यानी करीब 5 से 6 लाख) वास्तव में परीक्षा देने आते हैं। मुख्य परीक्षाः प्रारंभिक परीक्षा पास करके लगभग 14,000 से 15,000 उम्मीदवार मुख्य परीक्षा तक पहुँचते हैं। इसके बाद लगभग 2,500 से 3,000 छात्र साक्षात्कार के लिए चुने जाते हैं। आखिर में लगभग 800 से 1,000 उम्मीदवारों का चयन अंतिम सूची में होता है।दर्जनों अभ्यर्थी हर साल इस प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने असफल रहने या बार बार असफल होने पर अवसाद ग्रस्त होकर कई बार सुसाइड तक कर लेते हैं। यह सब बताने का मकसद सिर्फ इतना ही है कि जिस भारतीय प्रशासनिक सेवा में शामिल होने के लिए करीब पंद्रह लाख युवा हर साल सपना देखते हैं दिन रात भूख- प्यास त्यौहार - उत्सव सब की चकाचौंध से किनारा कर सिर्फ एक नियुक्ति पाना जीवन का उद्देश्य बना लेते हैं लेकिन यदि कोई भारतीय प्रशासनिक सेवा की अधिकारी जिसकी 17 साल सेवा बाकी हो जिनको कई पदोन्नति भी मिल सकती है पूरे होशो हवास में सिर्फ तेरह साल की सर्विस कर प्रशासनिक सेवा से इस्तीफा दे दे तो इसे किस तरह देखा जाएगा? यूपी कैडर की 2013 बैच की आईएएस अधिकारी दिव्या मित्तल ने रविवार 30 अगस्त 2026 को प्रशासनिक सेवा से इस्तीफा दे दिया। वर्तमान समय में वह राजस्व विभाग में विशेष सचिव पद पर तैनात थीं। दिव्या मित्तल ने बाद सोशल मीडिया पर लंबी पोस्ट लिखकर अपने इस्तीफे की जानकारी शेयर की।इस्तीफे से सियासी गलियारों में भूचाल आ गया है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने इस गंभीर मामले में राज्यपाल को पत्र लिखकर अधिकारियों के सम्मान की रक्षा की मांग की है। आपको बता दें कि मिर्जापुर और देवरिया की जिलाधिकारी रह चुकीं दिव्या मित्तल अपने कार्यकाल और जनसरोकार से जुड़े कामों को लेकर चर्चा में रही हैं। आप जानते हैं कि सिर्फ शोहरत और दौलत हासिल कर लेना ही कई बार व्यक्ति की आत्मसंतुष्टि नहीं कर पाता है। दरअसल जिसको हासिल नहीं होता है वह खोजने पाने के लिए बेचैन हो जाता है लेकिन जिसे हासिल होता है उसे वह कई बार मिथ्या नज़र आता है।

दिव्या मित्तल पहले उत्तर प्रदेश के कई जिलों में जिलाधिकारी रह चुकी हैं। मई के पहले सप्ताह में उन्हें देवरिया के जिलाधिकारी पद से हटाकर राजस्व विभाग में तैनाती दी गई थी। डीएम पद से हटाए जाने के बाद उनकी कुछ सोशल मीडिया पोस्ट भी चर्चा में रही थीं। अब उनके इस्तीफे के बाद एक बार फिर उनकी कार्यशैली, पिछली तैनातियों और इस्तीफे की वजह को लेकर बहस शुरू हो गई है। फिलहाल इस्तीफे की असली वजह क्या है, इस पर दिव्या मित्तल की ओर से कोई आधिकारिक स्पष्टीकरण सामने नहीं आया है।

दिव्या मित्तल ने बीते रविवार को भारतीय प्रशासनिक सेवा से इस्तीफा देने की जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर दी थी। हालांकि, उन्होंने अपने इस्तीफे की कोई वजह नहीं बताई। इसके बाद सोशल मीडिया से लेकर यूपी की सियासत तक उनके इस फैसले को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं। अब भाजपा के मीडिया पैनलिस्ट और सुप्रीम कोर्ट के वकील प्रशांत उमराव ने दिव्या मित्तल की कार्यशैली और उनके इस्तीफे को लेकर कई सवाल उठाए हैं उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दिव्या मित्तल पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने इस्तीफे के पीछे राहुल गांधी से मुलाकात का दावा करते हुए सवाल खड़े किए। हालांकि, आईएएस अधिकारी की ओर से इसकी कोई वजह नहीं बताई गई है।प्रशांत उमराव ने ङ्क पर लिखा कि दिव्या मित्तल ने इस्तीफा तो दे दिया, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि राहुल गांधी से मिलने के बाद उन्होंने इस्तीफा दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि इसके पीछे किसी राजनीतिक एजेंडे को आगे बढ़ाने की कोशिश हो सकती है। उन्होंने दिव्या मित्तल की कार्यशैली पर भी सवाल उठाते हुए लिखा कि उनमें हमेशा बड़े पद पर रहने की इच्छा थी और संयुक्त सचिव का पद उन्हें पसंद नहीं आया। उन्होंने यह भी दावा किया कि डीएम के बाद सीधे कमिश्नर बनने की इच्छा थी।प्रशांत उमराव ने दिव्या मित्तल की कार्यशैली को लेकर सवाल करते हुए कहा कि जिन जिलों में वह तैनात रहीं, वहां किसी न किसी जनप्रतिनिधि से उनका तालमेल नहीं बन पाया। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर अलग-अलग जगहों पर जनप्रतिनिधियों से परेशानी रही तो हर जगह जनप्रतिनिधि गलत नहीं हो सकते। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सरकारी योजनाओं के प्रचार और उद्घाटन को लेकर भी उनकी कार्यशैली पर सवाल उठते रहे।

उधर अभी दिव्या मित्तल के इस्तीफे को निर्धारित प्रक्रिया के तहत केंद्र व राज्य सरकार के निर्णय से गुजरना होगा। सरकार चाहे तो उनका इस्तीफा अस्वीकार भी कर सकती है। मीडिया पर जो खबरें छन कर आ रहीं हैं वह कुछ और कहानी कह रही है। कुछ रिपोर्ट्स में दिव्या मित्तल को बहुत महत्वाकांक्षी बताया जा रहा है। दिव्या मित्तल के राजनीति में जाने की चर्चा का एक कारण उनका मिर्जापुर से जुड़ा कार्यकाल भी बताया जा रहा है। वह मिर्जापुर की जिलाधिकारी रह चुकी हैं। उनके कार्यकाल के दौरान अपना दल से जुड़े नेताओं अनुप्रिया पटेल और आशीष पटेल के साथ विवाद जैसी स्थितियों की चर्चा भी सामने आती रही थी। इसी वजह से अब सोशल मीडिया पर यह कयास लगा रहे हैं कि अगर दिव्या मित्तल राजनीति में आती हैं तो मिर्जापुर से चुनाव लड़ सकती हैं।हालांकि, यह फिलहाल सिर्फ सोशल मीडिया पर चल रही अटकलें हैं। दिव्या मित्तल की ओर से ऐसा कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है, जिसमें उन्होंने राजनीति में जाने या चुनाव लड़ने की बात कही हो। बहुत संभावना यह है कि दिव्या मित्तल के इस्तीफे को फिल्हाल ठंडे बस्ते में डाल कर रखा जाएगा। क्योंकि यूपी चुनाव के मद्देनजर सरकार विपक्ष को कोई मुद्दा आसानी से हाथ नही देगी इतना ही नही मौजूदा तैनाती पर कार्य की ईच्छुक नहीं होने पर उन्हें लम्बे अवकाश पर भी भेजा जा सकता है ताकि विपक्ष के शोरगुल को विराम दिया जा सके।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

युद्ध और टैरिफ में भी जीडीपी वृद्धि ने दिया भारत की आर्थिक ताकत का संदेश

कांतिलाल मांडोत
स्तम्भकार

दुनिया इस समय आर्थिक और सामरिक अस्थिरता के दौर से गुजर रही है। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद पैदा हुई वैश्विक परिस्थितियों ने पहले ही ऊर्जा और आपूर्ति श्रृंखला को प्रभावित कर रखा था। इसके बाद अमेरिका-ईरान तनाव और युद्ध ने वैश्विक बाजारों की चिंता बढ़ा दी। होर्मुज क्षेत्र में पैदा हुए संकट का असर तेल और समुद्री व्यापार पर पड़ा। भारत के आयात-निर्यात पर भी इसका दबाव महसूस किया गया। दूसरी ओर अमेरिका की ओर से भारत पर भारी टैरिफ लगाने की धमकी और व्यापारिक दबाव ने परिस्थितियों को और चुनौतीपूर्ण बना दिया। इसके बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था ने जिस मजबूती का प्रदर्शन किया है, वह केवल एक आर्थिक आंकड़ा नहीं बल्कि देश की आर्थिक क्षमता और नीतिगत स्थिरता का बड़ा संकेत है।

वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में भारत की सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत दर्ज की गई है। पिछले वर्ष की इसी अवधि में यह वृद्धि दर 6.9 प्रतिशत थी। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह आंकड़ा भारतीय रिजर्व बैंक के लगभग 7 प्रतिशत के अनुमान से भी बेहतर रहा। वैश्विक स्तर पर जब अनेक अर्थव्यवस्थाएं युद्ध, महंगाई, ऊर्जा संकट और व्यापारिक तनाव से जूझ रही हैं, तब भारत की अर्थव्यवस्था का इस गति से आगे बढ़ना निश्चित रूप से महत्वपूर्ण है।

भारत की इस आर्थिक तस्वीर को केवल बाजार की स्वाभाविक ताकत के रूप में नहीं देखा जा सकता। इसके पीछे सरकार की लगातार बनाई गई आर्थिक रणनीति और उस रणनीति को जमीन पर लागू करने की कार्यप्रणाली भी महत्वपूर्ण है। पिछले कुछ वर्षों में सरकार ने विकास का आधार केवल तत्काल राहत या उपभोग को नहीं बनाया, बल्कि बुनियादी ढांचे, सड़क, रेल, बंदरगाह, ऊर्जा, रक्षा, विनिर्माण और डिजिटल अर्थव्यवस्था में लगातार निवेश बढ़ाने पर जोर दिया है। यही पूंजीगत खर्च आज आर्थिक गतिविधियों को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। पहली तिमाही में सरकार के पूंजीगत खर्च में 18.6 प्रतिशत की वृद्धि इस बात का प्रमाण है कि सरकार आर्थिक दबाव के समय भी विकास खर्च को रोकने के बजाय उसे आगे बढ़ाने की नीति पर कायम है। सरकार का यह दृष्टिकोण अर्थव्यवस्था के लिए दोहरा लाभ पैदा करता है। एक ओर बड़े स्तर पर निर्माण और आधारभूत ढांचे की परियोजनाओं से रोजगार और कारोबार को बढ़ावा मिलता है, वहीं दूसरी ओर सड़क, रेलवे, बिजली, लॉजिस्टिक्स और औद्योगिक ढांचे में सुधार से आने वाले वर्षों की आर्थिक क्षमता मजबूत होती है। भारत की अर्थव्यवस्था में सरकारी निवेश का असर निजी क्षेत्र की गतिविधियों पर भी दिखाई देता है। जब सरकार बुनियादी ढांचे में निवेश करती है तो उससे सीमेंट, स्टील, मशीनरी, परिवहन, निर्माण और अनेक दूसरे क्षेत्रों में मांग पैदा होती है। इससे अर्थव्यवस्था में पैसा घूमता है और निजी क्षेत्र को भी विस्तार का अवसर मिलता है। यही कारण है कि वर्तमान आर्थिक वृद्धि को केवल सरकारी खर्च से जोड़ना उचित नहीं होगा। सरकार द्वारा तैयार किया गया वातावरण निजी निवेश और उपभोग दोनों के लिए आधार तैयार कर रहा है।

आम लोगों की खपत भी आर्थिक वृद्धि का एक महत्वपूर्ण आधार बनी हुई है। पिछले वर्ष जीएसटी और आयकर से संबंधित राहतों के कारण लोगों के हाथ में खर्च करने योग्य आय बढ़ी। महंगाई की चुनौतियों के बावजूद उपभोक्ता मांग में अपेक्षित कमजोरी नहीं आई। इसका असर यात्री वाहनों की बिक्री में दिखाई दिया, जहां पहली तिमाही में 25.6 प्रतिशत की शानदार वृद्धि दर्ज की गई। यह आंकड़ा बताता है कि घरेलू बाजार में उपभोक्ता विश्वास अभी भी मजबूत है।

बिजली की मांग में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। बिजली की मांग की वृद्धि दर 1.9 प्रतिशत से बढ़कर 8.4 प्रतिशत तक पहुंचना औद्योगिक और आर्थिक गतिविधियों के बढ़ने का संकेत माना जा सकता है। जब उद्योग, सेवा क्षेत्र, निर्माण और घरेलू खपत में गतिविधियां बढ़ती हैं तो ऊर्जा की मांग भी बढ़ती है। इसलिए बिजली की मांग का यह आंकड़ा अर्थव्यवस्था की व्यापक गतिविधियों को समझने के लिए महत्वपूर्ण है।

सकल मूल्य वर्धित यानी जीवीए के आंकड़े भी भारत की अर्थव्यवस्था की मजबूती को रेखांकित करते हैं। पहली तिमाही में वास्तविक जीवीए वृद्धि 8.2 प्रतिशत रही, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 7.1 प्रतिशत थी। वहीं नॉमिनल जीवीए वृद्धि 11.5 प्रतिशत दर्ज की गई। नॉमिनल जीडीपी वृद्धि भी 8.1 प्रतिशत से बढ़कर 10.3 प्रतिशत हुई। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि आर्थिक गतिविधियों का विस्तार केवल एक क्षेत्र तक सीमित नहीं है। सेवा क्षेत्र की मजबूती भी भारत की आर्थिक कहानी का महत्वपूर्ण हिस्सा है। परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स यानी पीएमआई 58.6 तक पहुंचना बताता है कि सेवा क्षेत्र में कारोबारी गतिविधियां मजबूत बनी हुई हैं। भारत लंबे समय से सेवा क्षेत्र की अपनी क्षमता के लिए दुनिया में पहचान रखता है। सूचना प्रौद्योगिकी, वित्तीय सेवाओं, डिजिटल सेवाओं, संचार, व्यापार और अन्य सेवा क्षेत्रों का विस्तार भारतीय अर्थव्यवस्था को लगातार नया आधार दे रहा है। सरकार की कार्यप्रणाली का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि उसने वैश्विक संकटों के बीच आर्थिक गतिविधियों को सामान्य बनाए रखने पर लगातार जोर दिया।

आज 7.8 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि भारत के लिए केवल एक आंकड़ा नहीं है। यह उस आर्थिक आत्मविश्वास का संकेत है जिसके आधार पर भारत वैश्विक मंच पर अपनी भूमिका और मजबूत कर रहा है। युद्ध और टैरिफ के दबाव के बावजूद अर्थव्यवस्था की यह रफ्तार बताती है कि भारत ने कठिन परिस्थितियों में भी आगे बढ़ने का संकल्प नहीं छोड़ा है। सरकार की कार्यप्रणाली और आर्थिक नीतियों की असली परीक्षा भी यही है कि संकट चाहे कितना बड़ा हो, विकास की गति को थमने न दिया जाए। फिलहाल जीडीपी के आंकड़े यही संदेश दे रहे हैं कि भारत की आर्थिक गाड़ी न केवल चल रही है, बल्कि वैश्विक उथल-पुथल के बीच भी अपनी रफ्तार बनाए हुए है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

शाकाहारियों के लिए प्रोटीन के साथ भरपूर पोषण के अच्छे सोर्स हैं सीड्स

जब भी बात प्रोटीन लेने की आती है तो सबसे पहले लोगों के दिमाग में पनीर, दूध, अंडे और चिकन आदि आते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार प्रोटीन मांसपेशियों की मजबूती के साथ ही हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए आवश्यक होता है। इसके अलावा, यह स्किन और हेयर के लिए जरूरी माना जाता है। यदि शरीर में प्रोटीन की कमी हो जाए तो इससे व्यक्ति को हमेशा थकान और कमजोरी बनी रह सकती है। यही वजह है कि डाइट में अक्सर प्रोटीन को मुख्य रूप से शामिल करने पर जोर दिया जाता है। लेकिन, कई बार लोगों का ध्यान सीड्स पर नहीं जाता है, जबकि यह भी आपकी प्रोटीन की आवश्यकता को पूरा करने का मुख्य सोर्स बन सकती है। प्रोटीन की जरूरत को पूरा करने के लिए आप डाइट में कद्दू के बीज, हेम्प सीड्स (भांग के बीज), चिया सीड्स, अलसी के बीज और सफेद तिल को शामिल कर सकते हैं। इन सभी बीजों में प्रोटीन के साथ ही हेल्दी फैट, फाइबर और अन्य मिनरल्स भी पाए जाते हैं।

एनसीबीआई के अनुसार सीड्स छोटे जरूर होते हैं, लेकिन इनमें प्रोटीन, ओमेगा 3, हेल्दी फैट, मिनरल्स और कई महत्वपूर्ण पोषक तत्व पाए जाते हैं। कद्दू के बीज, चिया सीड्स, अलसी के बीज, सफेद तिल और भांग के बीज आदि में कई तरह के पोषक तत्व हमारे शरीर में ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस को कम करने और हड्डियां व संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए आवश्यक होते हैं। लेकिन एक जरूरी बात समझना चाहिए सीड्स को प्रोटीन का एक सोर्स कह सकते हैं, लेकिन इनको अन्य किसी भी सोर्स जैसे पनीर, टोफू, चिकन आदि के साथ तुलना नहीं करनी चाहिए।

कद्दू के बीज में प्रोटीन, मैग्नीशियम, जिंक, हेल्दी फैट, और फोस्फोरस जैसे पोषक तत्व मिलते हैं। इससे प्राप्त प्रोटीन में मौजूद अमीनो एसिड मांसपेशियों के निर्माण, मसल्स रिपेयर और रखरखाव में मदद करते हैं। साथ ही यह लंबे समय तक पेट भरा हुआ महसूस होना करने में मदद करते हैं। जिससे वजन भी कंट्रोल होता है। इसके अलावा चिया सीड्स आजकल वजन कम करने और हेल्दी डाइट के लिए लोकप्रिय है। इनमें प्रोटीन के साथ डाइटरी फाइबर पाया जाता है। इसके अलावा, इससे कैल्शियम, मैग्नीशियम और अन्य मिनरल्स भी मिलते हैं। जो बोन हेल्थ के लिए आवश्यक होते हैं। हार्वर्ड हेल्थ के अनुसार चिया सीड्स में सभी नौ आवश्यक अमीनो एसिड पाए जाते हैं। चिया सीड्स में मौजूद प्रोटीन ब्लड शुगर के स्तर को स्थिर रखने में मदद करता है और एनर्जी का एक निरंतर स्रोत प्रदान करता है।

निशाना

गीत जीवन का यही तो है रात होना, भोर हो जाना

रामकिशोर नाविक

एक क्षण मन मोर हो जाना
सुखद है चित चोर हो जाना
यशोदा का क्रोध सतही था
लला माखन चोर हो जाना
गीत जीवन का यही तो है
रात होना भोर हो जाना
इस सदी में पा सकेंगे क्या
यार लोटा डोर हो जाना
आदमी का रुख बताता है
खुद ही आदमखोर हो जाना
महाभारत जनक ही जाने
स्वयं का रण छोड़ हो जाना
आँसुओं पर अपने काबू रख
बता मत कमज़ोर हो जाना।

टेक्नो अपडेट

नई तकनीक... बारिश की बूंदों से भी बनेगी बिजली, एक बूंद से 100 वोल्ट करंट

अभी तक आपने धूप या हवा की ताकत से बिजली बनने के बारे में सुना होगा लेकिन अब बारिश की बूंदों से भी बिजली बनाई जा सकेगी। दरअसल स्पेन के सेविले की एक लैब में रिसर्चर्स ने इसे संभव बनाया है। दरअसर सिर्फ महज 100 नैनोमीटर पतली एक कोटिंग तैयार की गई है, जो कि सोलर पैनलों पर लगाई जाएगी। इसके बाद पैनल पर बारिश की बूंद गिरने पर बिजली पैदा होगी। रिसर्चर्स का दावा है कि इससे सोलर एनर्जी का भविष्य पूरी तरह से बदल सकता है। टेस्टिंग में पाया गया कि सोलर पैनल पर एक बूंद गिरने से 100 वोल्ट से ज्यादा बिजली जेनरेट हो जाती है।

दरअसल जब दो सतहें आपस में टकराकर अलग होती हैं, तो चार्ज का आदान-प्रदान होता है। इसी तरह जब पानी की बूंद फ्लोरीनेटेड सतह पर फिसलती है, तो सतह और पानी अलग-अलग चार्ज लेते हैं। गौर करने वाली बात है कि पानी की बूंद का सोलर पैनल की सतह पर पड़े रहने से कुछ नहीं होगा। असल में चार्ज तब जेनरेट होता है, जब वह पैनल की सतह पर फिलसती है। इससे सर्किट में करंट दौड़ जाता है। इस करंट को पकड़ने का काम रिसर्चर्स द्वारा तैयार की गई 100 नैनोमीटर पतली एक कोटिंग करती है। यह कोटिंग अपने आप में ट्रांसपेरेंट होती है, इसलिए इससे पैनल धूर में भी बिजली बनाते रहते हैं।

रिसर्चर्स ने 100 नैनोमीटर मोटी फ्लोरीनेटेड पॉलीमर कोटिंग तैयार की है, जो 90% से ज्यादा पारदर्शी है ताकि जब बारिश न हो, तो धूप सीधे सेल तक पहुंच सके। इस कोटिंग पानी की एक बूंद फिसलने पर यह 110 वोल्ट तक का पीक वोल्टेज जेनरेट करती है। इस तकनीक का फायदा यह है कि जब बारिश नहीं हो रही होती, तो सोलर पैनल उसी तरह से काम कर पाते हैं जैसे कि उन्हें आमतौर पर करना चाहिए। वहीं जब बारिश होती है, तो पैनल पर पानी की बूंदें गिरने से पैनल अतिरिक्त करंट पैदा कर पाते हैं।? यह तकनीक पेरोव्स्काइट सोलर सेल के साथ काम में आ सकती है। दरअसल ये सेल सस्ते होते हैं और 26% क्षमता तक पावर जेनरेट कर पाते हैं। हालांकि इनकी कमी है कि नमी इन्हें खराब कर देती है। इस तरह से यह कोटिंग सोलर सेल को वॉटरप्रूफ बनाने के साथ-साथ बारिश के पानी से बिजली भी निकाल लेती है। इससे पैनल की लाइफ भी खुद ब खुद ज्यादा हो जाएगी।

अजब - गजब

जब खुला 50 साल पुराना रहस्यमयी कमरा इसमें जिंदा दफन होने को तैयार थे सैनिक!

द्वितीय विश्व युद्ध के दौर में जब नाजी जर्मनी की सेना पूरी दुनिया पर अपना परचम लहराने के लिए कहर ढा रही थी, तब ब्रिटिश सेना ने एक ऐसा सीक्रेट प्लान तैयार किया था, जिसे सुनकर ही किसी भी इंसान की रूह कांप जाए। योजना यह थी कि 6 जाबांज सैनिकों को एक साल के लिए एक संकरी गुफा में जिंदा बंद कर दिया जाए। अगर जर्मनी इस इलाके पर कब्जा कर भी लेता, तो भी इन सैनिकों के पास बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं था। अगर इस दौरान किसी सैनिक की मौत हो जाती, तो बाकी बचे जवानों को उसकी लाश पर सीमेंट पोतकर वहीं फर्श में दफन कर देना था! इस रूह कंपा देने वाले सीक्रेट प्लान का नाम था ऑपरेशन ट्रेसर और इसका गवाह बना स्पेन के पास स्थित ब्रिटेन का रणनीतिक इलाका रॉक ऑफ जिब्राल्टर। इस खौफनाक मिशन का सच लगभग 50 साल बाद सामने आया, जब वहां के रहस्यमयी कमरे को खोला गया। इसी कमरे में 6 ब्रिटिश सैनिक दफन होने को तैयार थे।

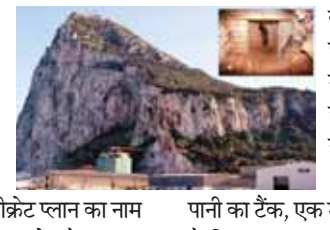

बात सन् 1940 की है, जब फ्रांस ने हिटलर के सामने घुटने टेक दिए. उस दौरान ब्रिटेन को यह डर सताने लगा कि अब नाजी सेना जिब्राल्टर पर कब्जा कर भूमध्य सागर में उनकी नौसेना की कमर तोड़ देगी। ब्रिटिश नेवल इंटेलिजेंस के डायरेक्टर रियर एडमिरल जॉन हेनरी गॉडफ्रे ने इस खतरे से निपटने के लिए जिब्राल्टर की चूना पत्थर की चट्टानों के ठीक ऊपर एक सीक्रेट ठिकाना बनाने का फैसला किया। इस मिशन के लिए 6 लोगों को चुना गया, जिनमें दो डॉक्टर, तीन सिग्नलमैन और एक टीम लीडर शामिल थे। 1941 के अंत में चट्टान को काटकर 45 फीट लंबा, 16 फीट चौड़ा और 8 फीट ऊंचा एक सीक्रेट कमरा तैयार किया गय। इस कमरे में देखने और हवा के लिए दो बेहद पतली दरारें बनाई गई थीं, जिनसे समंदर में जहाजों की आवाजाही पर नजर रखी जा सके. इस कमरे को 'स्टे बिहाइंड केव' नाम दिया गया।

कमरे में एक साल का सूखा राशन, पानी का टैंक, एक शौचालय और रेडियो ट्रांसमीटर चलाने के लिए एक खास साइकिल रखी गई थी। यदि यह मिशन शुरू होता, तो जिब्राल्टर पर नाजी कब्जे के बावजूद ये 6 सैनिक बाहर की दुनिया से पूरी तरह कटकर ब्रिटेन को खुफिया खबरें भेजते रहते। खुशकिस्मती से हिटलर का ध्यान जिब्राल्टर से हटकर रूस की तरफ चला गया और ऑपरेशन ट्रेसर को कभी अंजाम देने की नौबत नहीं आई। युद्ध खत्म होने के बाद सालों तक यह जगह सिर्फ एक अफवाह मानी जाती रही। लेकिन 50 साल बाद 1997 में जिब्राल्टर केविंग ग्रुप के खोजकर्ताओं ने ईंटों की एक पुरानी दीवार को तोड़कर इस रहस्यमयी कमरे को ढूंढ निकाला।

छात्राओं से छेड़छाड़ का मामला, फरार शिक्षक को रात 2 बजे पकड़ा; कोर्ट ने जेल भेजा

उमरिया। दोपहर मेट्रो

उमरिया जिले के इंदवार थाना क्षेत्र अंतर्गत सुलतानपुर शासकीय प्राथमिक स्कूल में छात्राओं के साथ कथित छेड़छाड़ और अश्लील हरकतों के मामले में पुलिस ने फरार चल रहे सहायक शिक्षक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी शिक्षक गिरफ्तारी से बचने के लिए उमरिया जिले से बाहर निकलने की कोशिश में था। इसी दौरान पुलिस ने घेराबंदी कर उसे देर रात करीब 2 बजे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

जानकारी के अनुसार सुल्तानपुर स्कूल में पदस्थ सहायक शिक्षक पर स्कूल में पढ़ने वाली कुछ छात्राओं के साथ कथित तौर पर छेड़छाड़ और अश्लील हरकतें करने के गंभीर आरोप लगाए गए थे। मामले की शिकायत सामने आने के बाद पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की थी। मामला दर्ज होने के बाद आरोपी शिक्षक पुलिस की गिरफ्त से बचने के लिए फरार हो गया था।

पुलिस के सामने आरोपी की गिरफ्तारी बड़ी चुनौती थी। इसी बीच पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी उमरिया जिले से बाहर भागने की तैयारी में है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने आरोपी की गतिविधियों पर नजर रखी और संभावित रास्तों पर घेराबंदी की। इसी कार्रवाई के दौरान देर रात करीब 2 बजे पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया।गिरफ्तारी के बाद पुलिस आरोपी को थाने लेकर पहुंची। यहां मामले से जुड़े विभिन्न पहलुओं को लेकर आवश्यक पूछताछ की गई। पुलिस ने प्रकरण में जरूरी कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया। न्यायालय में मामले की सुनवाई के बाद आरोपी शिक्षक को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजने के आदेश दिए गए। न्यायालय के आदेश के बाद पुलिस ने आरोपी को जेल भेज दिया।

छात्राओं से संबंधित होने के कारण यह मामला बेहद संवेदनशील माना जा रहा है। पुलिस अब शिकायत में लगाए गए आरोपों की जांच के साथ ही मामले से जुड़े साक्ष्यों और अन्य तथ्यों को जुटाने में लगी है। जांच के दौरान सामने आने वाली जानकारी के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं, मामले को लेकर पुलिस अधिकारियों का कहना है कि प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए जांच की जा रही है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए साक्ष्य जुटा रही है। जांच पूरी होने के बाद सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

न्यूज विंडो

पचमढ़ी मार्ग पर भीषण हादसे में कार से टकराकर पलटी बस, 26 घायल

नर्मदापुरम। बीते दिन शाम पिपरिया-पचमढ़ी मार्ग पर मोहगांव के पास तेज रफ्तार बस और डिजायर कार की आमने-सामने भिड़ंत के बाद बड़ा सड़क हादसा हो गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में बस चालक सहित 26 यात्री घायल हो गए, जिनमें 14 की हालत गंभीर होने पर प्राथमिक उपचार के बाद नर्मदापुरम रेफर किया गया था। गंभीर रूप से घायल कार चालक को नर्मदापुरम के बाद भोपाल भी रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार हादसे में डिजायर कार चालक श्वेतांक हरिनारायण गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना में उनका एक पैर और एक हाथ बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए पहले नर्मदापुरम और बाद में भोपाल रेफर किया गया। हादसे की सूचना मिलते ही तहसीलदार वैभव बैरागी, नायब तहसीलदार श्यामसिंह तारे सहित राजस्व विभाग की टीम मौके और अस्पताल पहुंची। शासकीय अस्पताल में बीएमओ डॉ. राजकुमार पटेल के नेतृत्व में डॉ. एसपी सिंह, डॉ. विभा गोस्वामी, डॉ. सुधीर कुमार आर्य, डॉ. रवि मेहलवानी और डॉ. राजकुमार विश्वकर्मा सहित चिकित्सा दल ने घायलों का उपचार किया। सूत्रों कि माने तो बस में 65यात्री सवार थे

दिव्यांग आवेदिका की समस्या सुनने कलेक्टर खुद पहुंचे, लंबित मामलों में कार्रवाई की चेतावनी

जनसुनवाई में 84 लोगों की सुनी समस्याएं अफसरों को दिए त्वरित निराकरण के निर्देश

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बीते दिन हुई जनसुनवाई में कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने नागरिकों की समस्याएं सुनीं। सुबह 11 बजे से आयोजित जनसुनवाई में राजस्व, भूमि विवाद, पेंशन, कृषि, पेयजल और बिजली से संबंधित शिकायतें सामने आईं। कलेक्टर ने 84 आवेदकों की समस्याएं सुनकर कई मामलों का मौके पर ही निराकरण कराया, जबकि शेष मामलों में संबंधित अधिकारियों को समय-सीमा में कार्रवाई के निर्देश दिए।

जनसुनवाई के दौरान दिव्यांग आवेदिका शांति बाई की समस्या सुनने के लिए कलेक्टर स्वयं उनके पास पहुंचे। आवेदिका ने राजस्व दस्तावेजों में नाम दुरुस्ती की कार्रवाई लंबित होने की जानकारी दी। कलेक्टर ने तहसीलदार को मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

हर्ष नगर के रहवासियों ने नलों में कम प्रेशर से पानी आने और पेयजल सप्लाई में परेशानी की शिकायत की। कलेक्टर ने नपा सीएमओ को वार्ड में टीम भेजकर पेयजल लाइन की जांच कराने और आपूर्ति सुचारू करने के निर्देश दिए। रहवासियों ने सड़क मरम्मत की समस्या भी बताई, जिस पर पीडब्ल्यूडी के ईई को सड़क का निरीक्षण कर आवश्यक मरम्मत कराने को कहा गया। नर्मदापुरम निवासी लक्ष्मी ने तकनीकी समस्या के चलते प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ नहीं मिलने की शिकायत की। कलेक्टर ने तहसीलदार नर्मदापुरम नगर को तकनीकी समस्या का निराकरण कर पात्र हितग्राही को योजना का लाभ दिलाने के निर्देश दिए। इटारसी तहसील के ग्राम बाबई खुर्द के ग्रामीणों ने विद्युत आपूर्ति बाधित होने की शिकायत की। कलेक्टर ने बिजली विभाग के अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंचकर स्थिति की जांच करने और आपूर्ति बहाल कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बिजली और पेयजल जैसी आवश्यक सेवाओं से जुड़ी शिकायतों पर अधिकारी गंभीरता से तत्काल कार्रवाई करें।

अतिक्रमण की शिकायत पर 1 सप्ताह में रिपोर्ट मांगी

सिवनी मालवा निवासी महेश लोवंशी ने कृषि भूमि तक आने-जाने के रास्ते पर अवैध अतिक्रमण और कब्जे की शिकायत की। कलेक्टर ने तहसीलदार सिवनी मालवा को मौके का निरीक्षण कर जांच करने और अतिक्रमण पाए जाने पर उसे हटाने के निर्देश दिए। साथ ही एक सप्ताह में कार्रवाई का पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत करने को कहा।

विधवा पेंशन के लिए दस्तावेज जांच के निर्देश

ग्राम रामपुर की मथरिया बाई ने विधवा पेंशन नहीं मिलने की समस्या रखी। कलेक्टर ने जनपद पंचायत नर्मदापुरम के सीईओ को दस्तावेजों की जांच कर पात्रता के अनुसार पेंशन योजना का लाभ दिलाने के निर्देश दिए। कलेक्टर मिश्रा ने अधिकारियों से कहा कि जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का तय समय-सीमा में निराकरण किया जाए, ताकि नागरिकों को अपनी समस्या लेकर दोबारा जनसुनवाई में नहीं आना पड़े। उन्होंने स्पष्ट किया कि लंबे समय से लंबित आवेदनों पर कार्रवाई नहीं करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। जनसुनवाई में अपर कलेक्टर राजेश शुक्ला सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

नपाध्यक्ष ने निरीक्षण कर साफ-सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखने के दिए निर्देश

नर्मदापुरम। नगरपालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव द्वारा नगरपालिका कार्यालय की समस्त शाखाओं का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने कार्यालय में स्वच्छता बनाए रखने और रिकार्ड दुरूस्त रखने के सख्त निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान कार्यालय अधीक्षक योगेश सोनी उपस्थित थे। अधीक्षक सोनी ने बताया कि नपाध्यक्ष श्रीमती यादव द्वारा निरीक्षण कर स्वच्छता के साथ ही अन्य सामग्री भी व्यवस्थित रूप से रखने के निर्देश दिए। उन्होंने पुराने जीर्णशीर्ण सामग्री का अवलोकन किया तथा उन्हें उचित स्थान पर रखने के निर्देश दिए। जिससे कि नगरपालिका में आने वाले आवेदकों को किसी भी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। उन्होंने स्वच्छता शाखा, जल प्रदाय शाखा, स्थापना शाखा के साथ ही अन्य शाखाओं का निरीक्षण किया।

रक्षाबंधन पर गांव गया था परिवार

सूने मकान में चोरों ने बोला धावा

गंजबासौदा। तिरंगा चौक के पास द्वारका धाम कॉलोनी में रक्षाबंधन पर्व पर गांव गए एक परिवार के सूने मकान को अज्ञात चोरों ने निशाना बना लिया। चोर मकान का ताला तोड़कर अंदर घुसे और सोने-चांदी के जेवरात सहित नकदी चोरी कर फरार हो गए। जानकारी के अनुसार दिनेश राजपूत अपने परिवार के साथ रक्षाबंधन पर्व मनाने गांव गए हुए थे। घर पर ताला लगा था।

इसी दौरान अज्ञात चोरों ने सूने मकान का ताला तोड़ा और घर में रखे सामान को खंगालते हुए जेवरात व नकदी पर हाथ साफ कर दिया। वारदात का पता तब चला जब पड़ोसी ने दिनेश को फोन कर घर का ताला टूटा होने और गेट खुला होने की सूचना दी। सूचना मिलते ही दिनेश वापस घर पहुंचे और चोरी की जानकारी पुलिस को दी।सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर तकनीकी साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर अज्ञात चोरों की तलाश शुरू कर दी है। शहर में लगातार सूने मकानों को निशाना बनाए जाने से लोगों में चिंता बढ़ रही है। पुलिस द्वारा भी लोगों से अपील की जा रही है कि घर को लंबे समय के लिए सूना छोड़ने पर आसपास के लोगों को इसकी जानकारी दें और सुरक्षा के इंतजाम रखें।

राहुल गांधी पर प्रकरण दर्ज करने के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन....

गांधी प्रतिमा से इंदिरा गांधी प्रतिमा तक पैदल मार्च, केंद्र सरकार के खिलाफ की नारेबाजी

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

उत्तराखंड में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किए जाने के विरोध में बीते दिन जिला कांग्रेस कमेटी ने धरना-प्रदर्शन किया। जिला कांग्रेस प्रवक्ता अनिल रैकवार ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने महात्मा गांधी की प्रतिमा से इंदिरा गांधी की प्रतिमा तक पैदल मार्च निकालकर विरोध जताया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी के समर्थन में नारेबाजी की और प्रकरण को राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित बताया।

धरने को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवाकांत गुड्डन पांडेय ने कहा कि राहुल गांधी लगातार आम जनता, युवाओं, किसानों और लोकतांत्रिक अधिकारों से जुड़े मुद्दे उठा रहे हैं। उनकी आवाज को दबाने के उद्देश्य से इस तरह प्रकरण दर्ज करना लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए उचित नहीं है। कांग्रेस कार्यकर्ता राहुल गांधी के साथ मजबूती से खड़े हैं।

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनता के सवाल उठाना अपराध नहीं है। सरकार को राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय जनता की समस्याओं के समाधान पर ध्यान देना चाहिए। राहुल गांधी की आवाज दबाने का हर प्रयास कांग्रेस कार्यकर्ताओं के संघर्ष के सामने विफल होगा। कांग्रेस लोकतंत्र, संविधान और नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष करती रहेगी। प्रदर्शन को पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष कपिल फौजदार ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का आभार जिला संगठन महासचिव मधुसूदन यादव ने व्यक्त किया। इस दौरान जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष ओम सेन, नगर पालिका परिषद के नेता प्रतिपक्ष अनोखी लाल राजोरिया, नगर कांग्रेस अध्यक्ष कमलेश बाथरे, पूर्व नगर कांग्रेस अध्यक्ष धर्मेंद्र तिवारी, रामनारायण गौर, फैजान उल हक, धर्मेंद्र मालवीय, चंद्रकांत बाहरे,गुलाम मुस्तफा, जिला कांग्रेस प्रवक्ता अनिल रैकवार, सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

महू-नीमच हाईवे पर भीषण हादसा

ट्रक में घुसी कार, दो लोगों की मौत

रतलाम। दोपहर मेट्रो

महू-नीमच हाईवे पर इंदौर रोड स्थित रत्तागिरी फंटे के यहां सोमवार और मंगलवार की दरमियानी रात करीब दो से तीन बजे के बीच भीषण सडक़ हादसा हो गया। इंदौर तरफ से रतलाम तरफ आ रही कार अनियंत्रित होकर दूसरी तरफ की लेन में चल रहे ट्रक में जा घुसी। इससे दो लोगों की मौत हो गई जबकि दो अन्य घायल हो गए। प्रारंभिक रूप से कार चालक को नींद की झपकी लगने से हादसा होने की बात सामने आ रही है।

बिलपांक थाना प्रभारी अय्यूब खान ने बताया महू-नीमच हाईवे के रत्तागिरी के यहां यह हादसा हुआ। कार में सोहनसिंह पिता बापूसिंह डाबी (56), मुकेश पिता मानसिंह गहलोत (45), देवकरण पिता कन्हैयालाल मालवीय (43) और सावन पिता आसाराम मालवीय (28) सवार थे। हादसा इतना भीषण था कि इसमें दो लोग सोहनसिंह और मुकेश की मौत हो गई जबकि देवकरण और सावन घायल हो गए। कार सवार सभी चार लोग (चालक सहित) रात करीब 12.30 बजे राऊ से सांवरियाजी के दर्शन के लिए निकले थे। राऊ से निकलने के बाद इन लोगों ने लेबड़ में खाना खाया और फिर कार से रवाना हुए। खाना खाने के बाद तीन लोग कार में सो गए जबकि चालक कार चला रहा था।

रत्तागिरी के यहां कार चालक को भी संभवतः झपकी लगी और वह डिवाइडर तोड़कर दूसरी लेन में सामने से आ रहे ट्रॉले से जा टकराई। इसमें चालक साइड में बैठा सोहनसिंह की मौके पर ही मौत हो गई जबकि चालक मुकेश गंभीर रूप से घायल हुआ। बाद में इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई। थाने के एएसआई सतीश ठाकुर ने बताया कि दोनों मृतकों के शवों का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है। घायलों को उनके परिजन इंदौर ले गए हैं। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। दुर्घटना के बाद पुलिस ने ट्राला जब्त कर थाने पर खड़ा करवा दिया है।

मेट्रो एंकर — संतों के सानिध्य में नशामुक्त जागरूकता रैली निकाल राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

ड्रग्स के बढ़ते जाल से चिंतित बासौदा एकजुट, नशामुक्ति केंद्र खोलने की मांग

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

शहर एवं आसपास के क्षेत्रों में बढ़ते ड्रग्स और अवैध मादक पदार्थों के कारोबार को लेकर क्षेत्र के नागरिकों में चिंता बढ़ती जा रही है। इसी गंभीर समस्या को लेकर जागरूक नागरिकों एवं क्षेत्रवासियों ने राष्ट्रपति के नाम अनुविभागीय अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर नशे के अवैध कारोबार पर प्रभावी रोक लगाने की मांग की है।

ज्ञापन में बताया गया कि क्षेत्र में ड्रग्स, स्मैक, नशीली गोलियां, इंजेक्शन, चरस और गांजा जैसे मादक पदार्थों की अवैध बिक्री की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। इसका सबसे अधिक प्रभाव युवाओं और विद्यार्थियों पर पड़ रहा है। ज्ञापन में दावा किया गया कि पिछले एक माह में नगर के तीन युवाओं की नशे के अत्यधिक सेवन के कारण असामयिक मृत्यु हुई है। वहीं, पूर्व में भी नशे की लत के चलते कई युवाओं की जान जाने का उल्लेख किया गया है। नागरिकों ने कहा कि नशे के बढ़ते प्रभाव का असर केवल युवाओं के भविष्य तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे चोरी, मारपीट और आपसी विवाद जैसी आपराधिक घटनाओं में भी वृद्धि हो रही है। नशे की लत पूरी करने के लिए कुछ युवा अपराध की ओर भी बढ़ रहे हैं, जिससे परिवारों के साथ-साथ पूरे समाज के सामने गंभीर चुनौती खड़ी हो गई है। ज्ञापन में कहा गया है कि क्षेत्र में अवैध मादक पदार्थों की बिक्री करने वाला नेटवर्क सक्रिय है, जो युवाओं को नशे की गिरफ्त में धकेल रहा है। नागरिकों ने मांग की कि ड्रग्स तस्करों के खिलाफ विशेष पुलिस दल गठित कर अभियान चलाया जाए तथा अवैध मादक पदार्थों की बिक्री और तस्करी में शामिल मुख्य आरोपियों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।

इसके साथ ही नशे की लत से पीड़ित युवाओं के उपचार, काउंसिलिंग और पुनर्वास के लिए गंजबासौदा में शासकीय नशामुक्ति केंद्र स्थापित करने की भी मांग की गई है। ज्ञापन में कहा गया कि समय रहते नशे के अवैध कारोबार पर प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई तो समस्या और गंभीर रूप ले सकती है। नागरिकों ने प्रशासन एवं पुलिस से इस मामले में त्वरित और ठोस कार्रवाई की मांग की है।

धार में खैर तस्करी का बड़ा भंडाफोड़ : वन अमले की गाड़ी पलटाने की कोशिश, दो नंबर प्लेटों से गहराया रहस्य, बड़े नेटवर्क का अंदेशा

तीन टन बेशकीमती लकड़ी के साथ रतलाम और नीमच के दो आरोपी गिरफ्तार

धार। दोपहर मेट्रो

जिले में वन विभाग की उड़नदस्ता टीम ने बीती रात खैर की लकड़ी की तस्करी के एक बड़े नेटवर्क का खुलासा किया है। घाटाबिल्लौद रोड पर घेराबंदी कर एक पिकअप वाहन से करीब 3 टन बेशकीमती खैर की लकड़ी जब्त की गई है। कार्रवाई से बचने के लिए तस्करों ने वन अमले की गाड़ी को टक्कर मारकर पलटाने का प्रयास किया है, लेकिन मुस्तैदी दिखाते हुए टीम ने मौके से दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया, जबकि दो अन्य अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकले।

मुखबिर की सूचना के आधार पर रात करीब 3 बजे डीएफओ विजयनंथम टीआर के निर्देश और एसडीओ सुरेश बरोले के नेतृत्व में उड़नदस्ता प्रभारी राजेंद्र राठौर की टीम ने एक संदिग्ध महिंद्रा पिकअप का पीछा किया। वाहन रोकने का इशारा करने पर तस्करों ने रफ्तार बढ़ा दी और पीछा कर रहे वन विभाग के वाहन को पलटाने की नीयत से टक्कर मारने की कोशिश की। इस दौरान प्रभारी राठौर बाल-बाल बचे। कुछ दूर जाकर घेराबंदी कर जब वाहन को रोका गया, तो तिरपाल के नीचे 3 टन खैर की लकड़ी छिपी मिली। वन विभाग ने मौके से जावेद शेख निवासी नीमच और शादाब खान निवासी रतलाम को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान एक चौंकाने वाला तथ्य यह सामने आया कि पिकअप में दो नंबर प्लेटें मौजूद थीं। वाहन पर एमपी-12-जेडडी-4830 दर्ज था, जबकि अंदर से एमपी-42-जेडी-1243 नंबर की एक और प्लेट मिली। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे लकड़ी हरदा जिले के खिरकिया क्षेत्र से भरकर राजस्थान की और ले जा रहे थे।

बड़े नेटवर्क का अंदेशा

डीएफओ विजयनंथम टीआर ने बताया कि जब्त खैर की लकड़ी की कीमत करीब डेढ़ लाख रुपये और वाहन की कीमत 4 से 5 लाख रुपये है। प्रारंभिक जांच में एक बड़े नेटवर्क की भूमिका सामने आ रही है। आरोपियों को न्यायालय में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा ताकि कटाई के मूल स्थान, खरीदारों और नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों का पर्दाफाश किया जा सके। फर्जी नंबर प्लेट के संबंध में आरटीओ को भी पत्राचार किया जा रहा है।

अलीराजपुर कनेक्शन की होगी जांच

ज्ञात हो कि जून 2024 में गुजरात में खैर से भरा ट्रक पकड़े जाने के बाद अलीराजपुर के मालवई गांव का नाम भी सुर्खियों में आया था। अब धार में पकड़ी गई इस बड़ी खेप के बाद वन विभाग यह भी जांच कर रहा है कि कहीं इन दोनों मामलों के तार एक ही सिंडिकेट से तो नहीं जुड़े हैं। फिलहाल वन अपराध दर्ज कर फरार आरोपियों की तलाश और मामले की जांच की जा रही है।

न्यूज विंडो

साप्ताहिक बाजार में बारिश बनी बाधा दुकानों में शरण लेते नजर आए ग्रामीण

तेंदूखेड़ा। नगर में प्रत्येक मंगलवार को लगने वाला साप्ताहिक बाजार आसपास के ग्रामीण अंचलों के लोगों के लिए खरीदारी का प्रमुख केंद्र रहता है। मंगलवार को भी बड़ी संख्या में ग्रामीण क्षेत्र से महिलाएं एवं पुरुष घरेलू उपयोग सहित पर्व-त्योहार की सामग्री खरीदने पहुंचे थे। दोपहर करीब 3 बजे अचानक शुरू हुई तेज बारिश ने बाजार की रौनक पर ब्रेक लगा दिया। बारिश शुरू होते ही सड़कों पर पानी भरने लगा और बाजार में खरीदारी कर रहे लोग इधर-उधर सुरक्षित स्थान तलाशने लगे। देखते ही देखते बाजार की सड़कें खाली नजर आने लगीं। ग्रामीण अंचलों से आए महिला-पुरुष बारिश से बचने के लिए एक दुकान से दूसरी दुकान में बैठकर पानी रुकने का इंतजार करते दिखाई दिए। कई लोग अपनी खरीदारी अधूरी छोड़कर दुकानों के सामने खड़े रहे। बाजार में खरीदारी करने पहुंची रति बाई, हेमा बाई, रीना बाई एवं कमलाबाई ने बताया कि बुधवार को हरछठ का पर्व मनाया जाना है, जिसके चलते पूजा-पाठ एवं अन्य आवश्यक सामग्री की खरीदारी के लिए बड़ी संख्या में महिलाएं बाजार पहुंची थीं। अचानक हुई बारिश के कारण खरीदारी में काफी परेशानी हुई। महिलाओं ने बताया कि ऐसा अक्सर देखने को मिलता है कि मंगलवार को लगने वाले साप्ताहिक बाजार के दिन ही बारिश हो जाती है।

सेहरी गांव के पास ई-रिक्शा पलटने से छात्राएं घायल, 2 जबलपुर रेफर

तेंदूखेड़ा। थाना अंतर्गत सागर जबलपुर स्टेट हाइवे 15 पर सेहरी ग्राम के समीप मंगलवार को एक तेज रफ्तार ई रिक्शा पलटने से उसमें सवार आधा दर्जन छात्राएं घायल हो गई, जिसमें दो छात्राओं को गंभीर हालत के चलते जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। वहीं इस घटना के बाद विद्यालय प्रबंधन का कोई भी व्यक्ति छात्राओं के हाल जानने नहीं पहुंचा, जिसके चलते परिजनों में रोष देखा गया। जानकारी अनुसार सेहरी गांव से कुछ छात्राएं ई रिक्शा से हाई स्कूल झलौन जा रही थी लेकिन सेहरी के समीप केशव ढाबा के पास ई रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट गया घटना को देखकर मौके पर मौजूद लोगों ने छात्राओं को ई रिक्शा से बाहर निकाला और इलाज हेतु स्वास्थ्य केंद्र भेजा और मामले की सूचना पुलिस को दी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद में मामूली घायल छात्राओं का इलाज किया गया और गंभीर रूप से घायल हुई कक्षा नवमी की छात्रा अंजली पिता झमन गौड़ 15 वर्ष और कक्षा बारहवीं की छात्रा अभिलाषा पिता रघुनाथ अठ्या 17 वर्ष को जबलपुर रैफर कर दिया गया। बताया जा रहा हैं कि इन छात्राओं को फैक्चर के साथ सिर व अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें हैं। सूचना मिलने पर तेंदूखेड़ा थाना पुलिस स्वास्थ्य केंद्र पहुंची और घटना की जानकारी ली पुलिस के अनुसार जल्द ही एक टीम बनाकर ओवरलोड ई-रिक्शा चालकों पर कार्रवाई की जाएगी।

कुएं में मिला वृद्ध का शव, बीमारी के चलते आत्महत्या की आशंका

तेंदूखेड़ा। थाना अंतर्गत ग्राम पट्टी में एक वृद्ध ने कुएं में कूद कर आत्महत्या कर ली। परिजनों के अनुसार वृद्ध बीमारी से परेशान था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा कर मामले की जांच शुरू की है। जानकारी अनुसार गनपत गौड़ 55 वर्ष निवासी पट्टी सुबह अपने घर पर बोलकर समीप स्थित अपने खेत गए थे लेकिन बाद में कई घंटों तक वह वापस नहीं लौटे। इसके बाद जब परिजनों ने वृद्धि की तलाश शुरू की तो कुएं के समीप उन्हें वृद्ध की चादर और जूते आदि पड़े हुए नजर आए। आशंका के चलते मामले की सूचना पुलिस समेत परिवार के अन्य सदस्यों को दी गई। कुएं में डूबने की आशंका के चलते पुलिस व परिजनों ने कुएं को खाली करने का निर्णय लिया और 7 से अधिक मोटरों को लगाकर करीब 3 घंटे की मशक्कत के बाद कुएं को खाली कराया जा सका। कुए के खाली होने के बाद परिजन व अन्य ग्रामीण कुए के अंदर उतरे और उन्होंने वृद्ध की तलाश की तो उन्हें कुए में वृद्ध का शव मिला। घटना के बाद परिजनों की मां ने तो वृद्धि कई दिनों से बीमारी से पीड़ित था जिसके चलते आशंका हैं कि बीमारी के चलते उसने यह कदम उठाया है। मृतक के पुत्र नीरज गौंड ने बताया कि उसके पिता बीमारी से पीड़ित थे जिसके चलते उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भी इलाज के लिए ले जाया गया था।

शहडोल में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज एफआईआर का विरोध

कांग्रेस का शक्ति प्रदर्शन, कैंडल मार्च के बाद धामी सरकार का किया पुतला दहन

शहडोल। दोपहर मेट्रो

शहडोल में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज एफआईआर को लेकर कांग्रेस ने विरोध प्रदर्शन किया। जिला कांग्रेस कमेटी ने जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी के नेतृत्व में कैंडल मार्च निकालकर अपना आक्रोश जताया, जबकि युवा कांग्रेस ने जिलाध्यक्ष अनुपम गौतम के नेतृत्व में गांधी चौक पर उत्तराखंड सरकार और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का पुतला दहन किया। दोनों कार्यक्रमों में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने एफआईआर को राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित बताते हुए इसे लोकतंत्र और विपक्ष की आवाज दबाने का प्रयास करार दिया। कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी के समर्थन में नारेबाजी करते हुए एफआईआर वापस लेने की मांग की। जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से निकाला गया कैंडल मार्च रघुराज स्कूल गेट से शुरू होकर न्यू गांधी चौक पहुंचा। बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता हाथों में मोमबत्तियां लेकर मार्च में शामिल हुए और राहुल गांधी के समर्थन में नारे लगाए। न्यू गांधी चौक पहुंचने के बाद कार्यकर्ताओं ने मोमबत्तियां जलाकर लोकतंत्र और संविधान की रक्षा का संकल्प लिया। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने स्न्ढ्ढक्रको लेकर सरकार के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष अजय अवस्थी ने कहा कि राहुल गांधी जनता से जुड़े मुद्दों को सदन और सड़क, दोनों जगह मजबूती से उठाते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष की आवाज से घबराकर सरकार लोकतांत्रिक तरीके से सवाल उठाने वाले नेताओं को दबाने का प्रयास कर रही है। अजय अवस्थी ने एफआईआर को राजनीतिक प्रतिशोध की कड़ी बताते हुए कहा कि कांग्रेस लोकतंत्र और संविधान के साथ किसी भी तरह का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं करेगी। इधर, युवा कांग्रेस ने भी राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज एफआईआर के विरोध में गांधी चौक पर प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष अनुपम गौतम के नेतृत्व में हुए इस प्रदर्शन के दौरान उत्तराखंड सरकार और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का पुतला दहन किया गया। कार्यक्रम में कांग्रेस जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी विशेष रूप से मौजूद रहे। युवा कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने एफआईआर वापस लेने की मांग करते हुए सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

बड़ी संख्या में नेता और कार्यकर्ता रहे मौजूद

युवा कांग्रेस के प्रदर्शन में पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष नरेंद्र मरावी, युवा कांग्रेस प्रदेश सचिव अभिषेक शुक्ला, उमरिया युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष अनुराग सिंह, विधानसभा अध्यक्ष शेख सजील, जिला महासचिव शेख आबिद, सोनू चौबे, सत्यम कुशवाहा, सत्यम प्रजापति, मुशरान खान सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर को लेकर अपना विरोध दर्ज कराया और सरकार से इसे वापस लेने की मांग की।

कांग्रेस बोली- आगे भी जारी रहेगा लोकतांत्रिक आंदोलन

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज एफआईआर के विरोध में पार्टी आगे भी लोकतांत्रिक तरीके से अपना आंदोलन जारी रखेगी। नेताओं ने कहा कि कांग्रेस जनता से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाती रहेगी और लोकतंत्र एवं संविधान की रक्षा के लिए अपनी आवाज बुलंद करती रहेगी।

प्रबंधक ने देर रात थाने में दिया आवेदन, जांच रिपोर्ट के बाद उठेगा मामले से पर्दा

बैंक ऑफ इंडिया में बड़ी वित्तीय अनियमितता लॉकर से 46 लाख गायब, कैशियर फरार

धार। दोपहर मेट्रो

बाग में बैंक ऑफ इंडिया की स्थानीय शाखा में सोमवार को वित्तीय अनियमितताओं और नकदी में बड़ी हेराफेरी की आशंका के चलते दिनभर कामकाज पूरी तरह ठप रहा। बैंक प्रबंधन ने मुख्य द्वार पर लिंक बंद है का पर्चा चस्पा कर आम ग्राहकों का प्रवेश रोक दिया, जिससे दिनभर लोग परेशान होते रहे। देर रात बैंक प्रबंधक मयूर दुबे ने पुलिस थाने पहुंचकर करीब 46 लाख रुपये कैश कम होने और कैशियर के चाबी लेकर गायब होने की लिखित शिकायत दर्ज कराई है।

बैंक शाखा में अचानक सन्नाटा पसरा रहा। अंदर धार आंचलिक कार्यालय और जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक की टीम दस्तावेजों और नकदी के मिलान में जुटी रही। कोई भी जिम्मेदार अधिकारी मीडिया या परेशान ग्राहकों को स्पष्ट जानकारी देने के लिए तैयार नहीं हुआ। बैंक प्रबंधक मयूर दुबे ने बताया कि कैशियर के चाबी लेकर गायब हो जाने के बाद जिला कार्यालय से दूसरी चाबी मंगवाकर लॉकर खोला गया। मिलान के दौरान प्रथम दृष्टया करीब 46 लाख रुपये की नकदी कम पाई गई है।

हालांकि वास्तविक अनियमितता का सही आंकड़ा उच्चाधिकारियों की विस्तृत जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। प्रबंधक सोमवार रात करीब 9 बजे शिकायत लेकर बाग थाने पहुंचे। मामले में थाना प्रभारी हीरूसिंह रावत ने बताया कि बैंक प्रबंधन की ओर से आवेदन मिला है, लेकिन जांच से जुड़े आवश्यक और आधिकारिक दस्तावेज प्रस्तुत करने के बाद ही एफआईआर दर्ज की जाएगी। मंगलवार से बैंक में सामान्य कामकाज बहाल कर दिया गया है। बैंक की ओर से जांच रिपोर्ट आने के बाद ही इस पूरे मामले से पर्दा उठ सकेगा।

महिला के अश्लील वीडियो परिजनों को व्हॉट्सएप पर भेजे, तीन के खिलाफ आईटी एक्ट में प्रकरण

महिला सहित तीन लोगों को आरोपी बनाया

धार। दोपहर मेट्रो

राजोद थाना क्षेत्र में एक महिला के अश्लील वीडियो उसके पर परिजनों के व्हाट्सऐप से भेजकर उसे बदनाम करने का मामला सामने आया है। महिला की शिकायत पर राजोद पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ आईटी एक्ट की धारा में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार महिला ने शिकायत में बताया कि उसकी भाभी आरती कहार, भाई कृष्णा कहार और पूर्व प्रेमी कैलाश चौधरी द्वारा कथित तौर पर उसके अश्लील वीडियो व्हाट्सऐप के माध्यम से परिवार के सदस्यों को भेजे गए। आरोप है कि वीडियो भेजकर महिला को बदनाम करने और उसकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया गया। शिकायत में यह भी बताया गया कि फरियादिया को कथित रूप से धमकियां दी गईं तथा उसके अश्लील वीडियो उसके जीजा और मामा कहार के व्हाट्सऐप मोबाइल नंबर पर भेजे गए। मामले में पुलिस ने कैलाश पिता नरसिंह चौधरी निवासी ग्राम रंगवासा, थाना बेटमा, जिला इंदौर, आरती पति कृष्णा कहार निवासी मनावर तथा कृष्णा पिता कैलाश कहार निवासी मनावर को आरोपी बनाया है।

राजोद थाना प्रभारी रेवसिंह बरडे ने बताया कि अश्लील वीडियो व्हाट्सऐप के माध्यम से भेजने की शिकायत प्राप्त हुई है। फरियादिया की रिपोर्ट पर बीएनएस की धारा और आईटी एक्ट की धारा 66ई एवं 67 के तहत कार्रवाई की गई है। मामले की जांच जारी है और आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

मेट्रो एंकर

दोस्तों की अनोखी तकरार पहुंची कानून की चौखट तक

जन्मदिन की पार्टी नहीं दी तो भेजा 41,250 का नोटिस!

दमोह। दोपहर मेट्रो

जन्मदिन की पार्टी देने का एक दोस्ताना वादा दो अधिवक्ता मित्रों के बीच ऐसा विवाद बन गया कि मामला कानूनी नोटिस तक पहुंच गया। दमोह जिला न्यायालय के अधिवक्ता गोविंद तिवारी को उनके मित्र विशाल सिंह राजपूत ने वरिष्ठ अधिवक्ता के माध्यम से कानूनी नोटिस भेजकर पार्टी नहीं मिलने से हुई कथित मानसिक, शारीरिक और आर्थिक क्षति के एवज में 41,250 रुपये की क्षतिपूर्ति की मांग की है। नोटिस का खर्च अलग से देने को भी कहा गया है।

मामला बीते दिन सामने आने के बाद अधिवक्ता जगत में इसकी चर्चा शुरू हो गई। खास बात यह है कि पार्टी देने का वादा केवल बातचीत तक सीमित नहीं था, बल्कि दोनों पक्षों के मुताबिक अधिवक्ताओं की मौजूदगी में लिखित इकरारनामा भी तैयार किया गया था। अब एक पक्ष पार्टी देने का दावा कर रहा है, जबकि दूसरा पक्ष पार्टी नहीं मिलने की बात कहते हुए कानूनी नोटिस तक पहुंच गया है।ड्ड

नोटिस भेजने वाले विशाल सिंह राजपूत के

अनुसार अधिवक्ता गोविंद तिवारी का जन्मदिन 10 अगस्त को था। इस मौके पर साथी अधिवक्ताओं और मित्रों ने उनसे जन्मदिन की पार्टी मांगी थी। विशाल का दावा है कि गोविंद ने पहले अगले रविवार पार्टी देने का आश्वासन दिया था, लेकिन तय समय पर पार्टी नहीं हुई। इसके बाद दोनों के बीच बातचीत हुई और 23 अगस्त को पार्टी देने का लिखित आश्वासन भी दिया गया। इसी आश्वासन के बाद पार्टी को लेकर मामला आगे बढ़ा।

विशाल सिंह राजपूत के मुताबिक, पार्टी को लेकर एक लिखित इकरारनामा तैयार किया गया था। उनके अनुसार यह इकरारनामा स्टाम्प पर तैयार हुआ और उस पर वरिष्ठ अधिवक्ताओं के हस्ताक्षर भी किए गए। इकरारनामे में 23 अगस्त की शाम पार्टी देने की बात कही गई थी। विशाल का दावा है कि इसी लिखित आश्वासन के आधार पर वह और उनके साथी पार्टी का इंतजार करते रहे। नोटिस में आरोप लगाया गया है कि 23 अगस्त की शाम करीब 7 बजे विशाल ने गोविंद तिवारी से संपर्क करने की कोशिश की। इसके बाद करीब 8 बजे भी फोन किया गया, लेकिन कथित तौर पर कोई जवाब नहीं मिला। विशाल के मुताबिक, रात करीब 9 बजे तक इंतजार करने के बावजूद पार्टी नहीं हुई। बाद में उन्हें बताया गया कि बांदकपुर रोड स्थित एक रेस्टोरेंट में पार्टी दी गई थी और उसका बिल भी मौजूद है। हालांकि, विशाल का दावा है कि उन्हें इस पार्टी में आमंत्रित नहीं किया गया और न ही उन्होंने पार्टी का लाभ लिया। विशाल सिंह राजपूत का दावा है कि पार्टी नहीं मिलने के बाद उन्हें अपने स्तर पर रेस्टोरेंट में खाना खाना पड़ा, जिस पर 1,750 रुपये खर्च हुए। इसके बाद मानसिक परेशानी और तबीयत खराब होने का हवाला देते हुए निजी अस्पताल में इलाज कराने की बात कही गई है। नोटिस के अनुसार, इलाज पर 39,500 रुपये खर्च हुए। इन दोनों खर्चों को जोड़कर कुल 41,250 रुपये की क्षतिपूर्ति की मांग की गई है। नोटिस में यह भी दावा किया गया है कि पूरे घटनाक्रम के कारण उन्हें मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ा। वरिष्ठ अधिवक्ता कमल सिंह ठाकुर के माध्यम से भेजे गए कानूनी नोटिस में गोविंद तिवारी से नोटिस प्राप्त होने के सात दिन के भीतर पार्टी देने और 41,250 रुपये की क्षतिपूर्ति अदा करने की मांग की गई है। इसके अलावा नोटिस भेजने में हुए खर्च के रूप में 2,000 रुपये की अतिरिक्त राशि देने की मांग का भी उल्लेख है। मांग पूरी नहीं होने पर आगे कानूनी कार्रवाई करने की बात कही गई है। दूसरी ओर अधिवक्ता गोविंद तिवारी ने पार्टी नहीं देने के आरोप से अलग दावा किया है। उनका कहना है कि उन्होंने जन्मदिन के अवसर पर दोस्तों के लिए पार्टी दी थी। उनके मुताबिक पार्टी रात में आयोजित की गई थी और उसके बिल भी उनके पास मौजूद हैं।

अफगानिस्तान के खिलाफ नई टी20 ब्रिगेड तैयार,

श्रेयस के हाथों में कमान, बुमराह की वापसी से बढ़ी ताकत, वैभव सूर्यवंशी पर भी बड़ा दांव

नई दिल्ली , एजेंसी

अफगानिस्तान के खिलाफ 13 सितंबर से शुरू होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान कर दिया गया है। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में होने वाली इस सीरीज में भारतीय टीम की कमान श्रेयस अय्यर को सौंपी गई है, जबकि तिलक वर्मा उप-कप्तान की भूमिका निभाएंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने 15 सदस्यीय टीम में युवाओं और अनुभवी खिलाड़ियों का संतुलन बनाते हुए कई अहम बदलाव किए हैं।

इस टीम की सबसे खास बात यह है कि यह वेस्टइंडीज के खिलाफ पिछली टी20 सीरीज में उतरी भारतीय टीम से काफी अलग है। चयनकर्ताओं ने इस बार करीब आठ खिलाड़ियों को बाहर कर नए चेहरों और अनुभवी खिलाड़ियों को मौका दिया है। टीम में जहां युवा प्रतिभाओं पर भरोसा जताया गया है, वहीं लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी जगह बनाने वाले खिलाड़ियों की वापसी ने टीम को और मजबूत किया है।

जिम्बाब्वे दौरे के दौरान आराम पाने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन की टीम में वापसी हुई है। उनके साथ इशान किशन को भी विकेटकीपर बल्लेबाज के विकल्प के तौर पर शामिल किया गया है। तेज गेंदबाजी विभाग में अर्शदीप सिंह की वापसी हुई है, जिससे भारतीय आक्रमण को नई धार मिलने की उम्मीद है। सबसे बड़ी वापसी जसप्रीत बुमराह की मानी जा रही है। इंग्लैंड दौरे के दौरान घुटने की चोट से परेशान रहे बुमराह अब दोबारा मैदान पर उतरने

पिछली टीम के आठ खिलाड़ी बाहर

वेस्टइंडीज के खिलाफ पिछली टी20 टीम में शामिल रहे रिंकू सिंह, सूर्यांश शेडगे, यश ठाकुर, मयंक यादव, अशोक शर्मा, हर्ष दुबे, प्रभसिमरन सिंह और प्रिंस यादव इस बार टीम में जगह नहीं बना सके हैं। इन खिलाड़ियों की जगह चयनकर्ताओं ने अनुभवी और युवा खिलाड़ियों के मिश्रण पर भरोसा जताया है। वरुण चक्रवर्ती, अक्षर पटेल और रवि बिश्नोई जैसे खिलाड़ियों के आने से स्पिन आक्रमण मजबूत हुआ है, जबकि बुमराह, अर्शदीप और हर्षित राणा तेज गेंदबाजी में विकल्प बढ़ाते हैं।

श्रेयस के सामने बड़ी चुनौती

टीम की कप्तानी श्रेयस अय्यर के हाथों में होगी। उप-कप्तान तिलक वर्मा होंगे। श्रेयस के सामने सबसे बड़ी चुनौती अलग-अलग अनुभव और उम्र वाले खिलाड़ियों को एकजुट कर मजबूत संयोजन तैयार करने की होगी। टीम में जहां बुमराह और अक्षर जैसे अनुभवी खिलाड़ी हैं, वहीं वैभव सूर्यवंशी जैसे बेहद युवा खिलाड़ी भी पहली बार बड़े मंच पर अपनी क्षमता दिखाने की तैयारी में हैं।

13 साल के वैभव सूर्यवंशी पर बड़ा भरोसा | भारतीय चयनकर्ताओं ने इस टीम में युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को शामिल कर सभी का ध्यान खींचा है। महज 13 साल की उम्र में उन्हें राष्ट्रीय टीम के संभावित खिलाड़ियों में जगह मिलना भारतीय क्रिकेट में उनकी तेजी से बढ़ती पहचान को दर्शाता है। वैभव के साथ अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा जैसे युवा बल्लेबाज भी टीम का हिस्सा हैं। शिवम दुबे और अक्षर पटेल जैसे अनुभवी ऑलराउंडर टीम को संतुलन देने का काम करेंगे। स्पिन विभाग में वरुण चक्रवर्ती और रवि बिश्नोई को शामिल किया गया है।

एशियन गेम्स की तैयारी भी इसी टीम से

अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली यह सीरीज भारत के लिए केवल तीन टी20 मुकाबलों तक सीमित नहीं है। यही 15 सदस्यीय टीम इस महीने के अंत में जापान में होने वाले एशियन गेम्स में भी भारत का प्रतिनिधित्व करेगी। ऐसे में सीरीज को टीम संयोजन और खिलाड़ियों की तैयारी के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भारत इससे पहले जून में अफगानिस्तान को टेस्ट और वनडे सीरीज में मात दे चुका है। अब टी20 प्रारूप में भी भारतीय टीम अपनी बढ़त कायम रखने के इरादे से उतरेगी। श्रेयस अय्यर की नई कप्तानी, बुमराह की संभावित वापसी और वैभव सूर्यवंशी जैसे युवा चेहरे इस सीरीज को खास बना रहे हैं।

अगरकर रहेंगे या आएगा नया चेहरा?

बीसीसीआई की हाईलेवल मीटिंग से पहले बढ़ी हलचल

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट में आने वाले दिनों में चयन समिति को लेकर बड़ा फैसला सामने आ सकता है। मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर का मौजूदा कार्यकाल सितंबर 2026 में समाप्त होने जा रहा है। ऐसे में भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड जल्द ही अगरकर के साथ बैठक करने की तैयारी में है। इसी बैठक में उनके आगे के कार्यकाल को लेकर चर्चा होने की संभावना है। मौजूदा परिस्थितियों पर नजर डालें तो अगरकर की स्थिति पूरी तरह कमजोर नजर नहीं आ रही है। बोर्ड उनके कार्यकाल को आगे बढ़ाने के पक्ष में दिखाई दे रहा है। हालांकि अंतिम निर्णय केवल बोर्ड की इच्छा से नहीं होगा। अगरकर स्वयं मुख्य चयनकर्ता के पद पर आगे काम करना चाहते हैं या नहीं, यह भी महत्वपूर्ण होगा। इसलिए बैठक के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो पाएगी।

अगरकर के कार्यकाल में कई बड़े चयन फैसले हुए हैं। इनमें रोहित शर्मा से जुड़ा फैसला सबसे अधिक चर्चा में रहा। इंग्लैंड दौरे के दौरान रोहित को एकदिवसीय क्रिकेट से अलग करने की संभावनाओं पर विचार हुआ था। इस मुद्दे पर बोर्ड और चयन समिति के बीच पूरी तरह एकराय नहीं होने की खबरें सामने आई थीं। इसके बाद अगरकर की भूमिका और उनके भविष्य को लेकर सवाल उठने लगे थे। हालांकि वर्तमान स्थिति यह संकेत नहीं देती कि बोर्ड ने उन्हें पद से हटाने का मन पूरी तरह बना लिया है। यदि आगामी बैठक सकारात्मक रहती है तो अगरकर को एक बार फिर जिम्मेदारी मिल सकती है। अगरकर के भविष्य पर फैसला लेते समय 2027 में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप को भी ध्यान में रखा जा सकता है। विश्व कप में अब लगभग एक वर्ष का समय ही बचा है। ऐसे में भारतीय टीम के चयन और खिलाड़ियों की तैयारी में निरंतरता बनाए रखना बोर्ड के लिए महत्वपूर्ण होगा।

तीन वर्षों में बदली तस्वीर

अजीत अगरकर वर्ष 2023 में भारतीय टीम के मुख्य चयनकर्ता बने थे। पिछले वर्ष बोर्ड ने उनके कार्यकाल को एक साल के लिए बढ़ाया था। अब सितंबर 2026 में उनका मौजूदा विस्तार पूरा हो रहा है। अगरकर के कार्यकाल में भारतीय क्रिकेट में कई महत्वपूर्ण बदलाव हुए। भारतीय टीम ने इस दौरान दो बार टी20 विश्व कप का खिताब जीता और चैंपियंस ट्रॉफी भी अपने नाम की। वहीं 2023 के एकदिवसीय विश्व कप में भारत उपविजेता रहा। दूसरी ओर, टेस्ट क्रिकेट में टीम को अपेक्षित सफलता के लिए संघर्ष भी करना पड़ा।अगरकर के कार्यकाल में भारतीय क्रिकेट की एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी की ओर बदलाव भी देखने को मिला। रोहित शर्मा, विराट कोहली और रवींद्र जडेजा ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया। इसके बाद रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविचंद्रन अश्विन जैसे दिग्गज टेस्ट क्रिकेट से भी दूर हुए।

अगरकर को जिम्मेदारी जारी रखने से टीम के बदलाव के मौजूदा दौर को बिना बड़े व्यवधान के आगे बढ़ाया जा सकता है। हालांकि इस संबंध में अंतिम फैसला बोर्ड और अगरकर की बैठक के बाद ही सामने आएगा।

कार्लोस अल्काराज की धमाकेदार वापसी वावरिंका का आखिरी यूएस ओपन भी खत्म

न्यूयार्क, एजेंसी

यूएस ओपन 2026 के दूसरे दिन पुरुष एकल में रोमांच अपने चरम पर रहा। चोट के कारण करीब चार महीने तक प्रतिस्पर्धी टेनिस से दूर रहे गत चैंपियन कार्लोस अल्काराज ने जोरदार अंदाज में वापसी करते हुए रोमन सफीउलिन को सीधे सेटों में 6-4, 6-4, 6-4 से मात दी। 139 दिन बाद एकल मुकाबला खेलने उतरे स्पेनिश स्टार ने शुरुआत में थोड़ी घबराहट के बावजूद जल्द ही अपनी लय हासिल कर ली।

चोट से वापसी, जीत के साथ किया आगाज- कलाई की चोट के कारण लंबे ब्रेक के बाद कोर्ट पर लौटे अल्काराज के सामने मैच से पहले फिटनेस और लय को लेकर कई सवाल थे। हालांकि, सफीउलिन के खिलाफ उन्होंने अपने दमदार फोरहैंड और आक्रामक खेल से इन आशंकाओं को

काफी हद तक खत्म कर दिया। इस जीत के साथ उन्होंने लगातार छठी बार यूएस ओपन के दूसरे दौर में जगह बनाई। अब उनका सामना पुर्तगाल के जैमे फारिया से होगा।

वावरिंका की विदाई ने किया भावुक- तीन बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन स्टेन वावरिंका के लिए न्यूयॉर्क का सफर भावुक अंत के साथ समाप्त हुआ। 2016 के यूएस ओपन चैंपियन को इटली के माटेओ बेरेटिनी ने 7-6(4), 7-6(3), 6-0 से हराया। इस हार के साथ वावरिंका का यूएस ओपन और ग्रैंड स्लैम करियर समाप्त हो गया। वह पहले ही 2026 सत्र के बाद पेशेवर टेनिस से संन्यास लेने की घोषणा कर चुके हैं।

शेल्टन ने पलटा मैच,

अमेरिका के शीर्ष खिलाड़ी बेन शेल्टन ने भी शानदार वापसी की। पहला सेट 1-6 से गंवाने के बाद उन्होंने टैलोन ग्रीक्सपूर के खिलाफ लगातार तीन सेट जीतकर 1-6, 6-1, 7-6(3), 6-2 से मुकाबला अपने नाम किया। वहीं, दिन का बड़ा उलटफेर स्टेफानोस सितसिपास ने किया। ग्रीक खिलाड़ी ने 10वीं वरीयता प्राप्त आर्थर फिल्स को एक सेट और एक ब्रेक से पिछड़ने के बाद 4-6, 7-6(3), 6-1, 6-4 से हराया। सितसिपास ने 50 विनर्स लगाए और अब उनका सामना क्वालीफायर लॉयड हैरिस से होगा।

जिम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ छह मुकाबलों के लिए 17 सदस्यीय दल घोषित

सिडनी, एजेंसी

वर्ष 2027 में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप को लेकर ऑस्ट्रेलिया ने अभी से अपनी तैयारियों को धार देना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में जिम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली छह मुकाबलों की एकदिवसीय श्रृंखला के लिए 17 सदस्यीय दल की घोषणा कर दी गई है। टीम में कप्तान मिचेल मार्श और विस्फोटक सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड की वापसी हुई है। वहीं, अनुभवी शीर्ष क्रम के बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन को इस बार चयनकर्ताओं ने बाहर रखा है। मार्श और हेड दोनों ही पाकिस्तान तथा बांग्लादेश के खिलाफ खेली गई पिछली 50 ओवर की श्रृंखलाओं में ऑस्ट्रेलियाई दल का हिस्सा नहीं थे। अब विश्व कप की तैयारियों के महत्वपूर्ण दौर में दोनों खिलाड़ियों की वापसी को टीम के लिए बड़ा कदम माना जा रहा है। ऑस्ट्रेलिया अपने मजबूत

विश्व कप के लिए ऑस्ट्रेलिया का मास्टर प्लान मार्श और हेड की वापसी से मजबूत हुई टीम

खिलाड़ियों को फिर से एकजुट करने के साथ-साथ युवा प्रतिभाओं को भी लगातार अवसर दे रहा है।

ऑस्ट्रेलिया ने दल की घोषणा करते समय स्थायी कप्तान के नाम को लेकर स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं की है। हालांकि जिम्बाब्वे के खिलाफ होने वाली तीन मुकाबलों की श्रृंखला में मिचेल मार्श टीम की कमान संभालेंगे। इसके बाद दक्षिण अफ्रीका पहुंचने पर नियमित एकदिवसीय और टेस्ट कप्तान पैट कमिंस दल से जुड़ेंगे। तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क को भी दक्षिण अफ्रीका में होने वाले मुकाबलों के लिए दल में जगह दी गई है। हालांकि कमिंस ने संकेत दिए हैं कि वह दक्षिण अफ्रीका में सभी तीन एकदिवसीय मुकाबले नहीं खेल पाएंगे।

लाबुशेन की गैरमौजूदगी सबसे बड़ा फैसला

इस चयन में सबसे ज्यादा चर्चा मार्नस लाबुशेन के बाहर होने की हो रही है। ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष क्रम का लंबे समय तक अहम हिस्सा रहे लाबुशेन इस बार चयनकर्ताओं को प्रभावित करने में नाकाम रहे। इसके उलट युवा जोएल डेविस और ओली पीक पर चयनकर्ताओं ने फिर भरोसा जताया है। दोनों युवा खिलाड़ियों ने पाकिस्तान और बांग्लादेश के खिलाफ हालिया श्रृंखलाओं में अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया था। उन्हें दोबारा मौका देकर ऑस्ट्रेलिया ने स्पष्ट कर दिया है कि टीम प्रबंधन भविष्य के लिए नए खिलाड़ियों को तैयार करने की रणनीति पर भी काम कर रहा है।

15 सितंबर से होगी छह मुकाबलों की परीक्षा

जिम्बाब्वे के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला की शुरुआत 15 सितंबर से होगी। तीनों मुकाबले हरारे में खेले जाएंगे। पहला मुकाबला 15 सितंबर, दूसरा 18 सितंबर और तीसरा 20 सितंबर को होगा। इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई दल दक्षिण अफ्रीका रवाना होगा। वहां 24 सितंबर को डरबन में पहला, 27 सितंबर को जोहानिसबर्ग में दूसरा और 30 सितंबर को पोटचेफस्ट्रूम में तीसरा मुकाबला खेला जाएगा। इसके बाद अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन टेस्ट मुकाबले भी खेलने हैं।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

'बिग बॉस 18' में ईशा रिखी का दिखेगा असली अंदाज, बोलीं- इस बार निशाना सिर्फ ट्रॉफी पर

चर्चित रियलिटी शो 'बिग बॉस 18' में अभिनेत्री ईशा रिखी की एंट्री को लेकर चर्चा तेज हो गई है। शो में कदम रखने से पहले अभिनेत्री ने अपनी रणनीति और उम्मीदों को लेकर खुलकर बात की। ईशा का कहना है कि वह इस मंच पर किसी बनावटी छवि के साथ नहीं, बल्कि अपनी वास्तविक शख्सियत के साथ नजर आना चाहती हैं।

ईशा रिखी ने कहा कि अब तक दर्शकों ने उन्हें मुख्य रूप से एक अभिनेत्री के तौर पर देखा है। रियलिटी शो उनके लिए अपनी पर्सनैलिटी के अलग-अलग पहलुओं को दर्शकों के सामने रखने का अवसर है। वह चाहती हैं कि लोग यह जान सकें कि कैमरे के पीछे ईशा रिखी कैसी हैं और उनके व्यक्तित्व में कौन-कौन से रंग हैं।

अभिनेत्री ने साफ किया कि शो में वह किसी दूसरे कंटेस्टेंट की रणनीति अपनाने के बजाय अपने स्वभाव के मुताबिक खेलना पसंद करेंगी। उनका मानना है कि लंबे समय तक दिखावा करना संभव नहीं होता, इसलिए वह पूरी ईमानदारी के साथ गेम खेलने की कोशिश करेंगी।

ईशा ने शो के दौरान विवादों और मुश्किल परिस्थितियों से निपटने को लेकर भी अपनी सोच बताई। उनका कहना है कि अगर किसी स्थिति को बातचीत और शांति से सुलझाया जा सकता है, तो वह उसी रास्ते को चुनेंगी। हालांकि, अगर मामला नियंत्रण से बाहर जाता है, तो वह जरूरत पड़ने पर सख्त रुख अपनाने से भी पीछे नहीं हटेंगी। 'बिग बॉस' के घर में कई बार कंटेस्टेंट्स के पुराने रिश्ते और एक्स-पार्टनर चर्चा का विषय बनते रहे हैं। ऐसे में अगर उनके अतीत से जुड़ी कोई बात सामने आती है, तो ईशा का कहना है कि उन्होंने इसके लिए फिलहाल कोई विशेष रणनीति नहीं बनाई है।

मां के लिए ट्रॉफी जीतना चाहती हैं ईशा

ईशा रिखी ने यह भी बताया कि शो में जाने की उनकी सबसे बड़ी प्रेरणाओं में उनकी मां शामिल हैं। उन्होंने कहा कि वह अपने दोस्तों के लिए हमेशा मजबूती से खड़ी रहती हैं, लेकिन बिग बॉस के घर में बनने वाले रिश्तों को लेकर अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगी। अभिनेत्री ने माना कि वह काफी भावुक स्वभाव की हैं और दोस्ती या भावनाओं के कारण उन्हें चोट लगने का डर भी है। इसके बावजूद उन्होंने स्पष्ट किया कि इस बार उनका मुख्य लक्ष्य बिग बॉस की ट्रॉफी जीतना है। ईशा के मुताबिक, घर में रिश्ते अपनी जगह हैं, लेकिन वह गेम के दौरान अपनी प्राथमिकता ट्रॉफी को ही बनाए रखने की पूरी कोशिश करेंगी।

मां बनने के बाद कटरीना कैफ के बदले लुक पर ट्रोलिंग, शिवालिका ओबेरॉय ने लगाई क्लास- 'ये मातृत्व है!'

अभिनेत्री कटरीना कैफ इन दिनों अपनी एक पब्लिक अपीयरेंस को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चा में हैं। मुंबई में हाल ही में एक अंतिम संस्कार में शामिल होने पहुंचीं अभिनेत्री की तस्वीरें और वीडियो सामने आने के बाद कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ने उनके बदले हुए लुक और वजन को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणियां कीं। ट्रोलिंग के बीच अब अभिनेत्री शिवालिका ओबेरॉय ने कटरीना का खुलकर समर्थन किया है और ट्रोलर्स की मानसिकता पर सवाल उठाए हैं।

शिवालिका ओबेरॉय ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर कटरीना कैफ की वही तस्वीर साझा की, जिसे लेकर सोशल मीडिया पर अभिनेत्री को निशाना बनाया जा रहा था। तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा, ÷क्या हो गया है मतलब?!?! ये मातृत्व है!÷ शिवालिका ने आगे कहा कि प्रसव के बाद शरीर का पूरी तरह सामान्य स्थिति में लौटना एक प्रक्रिया है। इस दौरान सूजन, थकान और शरीर में कई तरह के बदलाव दिखाई दे सकते हैं। उन्होंने लोगों से मातृत्व की ऐसी तस्वीर पेश करना बंद करने की अपील की, जो वास्तविकता से मेल ही नहीं खाती।

अभिनेत्री ने पोस्टपार्टम रिकवरी को लेकर सोशल मीडिया पर बनाए जा

रहे अवास्तविक सौंदर्य मानकों पर नाराजगी जताई। उनका कहना था कि मां बनने के बाद शरीर में होने वाले बदलावों को लेकर महिलाओं को जज करना या उनका मजाक उड़ाना बेहद असंवेदनशील रवैया है। शिवालिका खुद हाल ही में मां बनी हैं, इसलिए वह गर्भावस्था और प्रसव के बाद शरीर में होने वाले बदलावों को करीब से समझती हैं। यही वजह है कि उन्होंने कटरीना के खिलाफ हो रही टिप्पणियों पर अपनी बात मजबूती से रखी। दरअसल, कटरीना कैफ नवंबर 2025 में बेटे विहान के जन्म के बाद काफी समय तक सार्वजनिक कार्यक्रमों और लाइमलाइट से दूर रहीं।

मेट्रो बाजार

भारतीय रेलवे ने ट्रैक पर कवच सिस्टम की तैनाती के लिए 170 करोड़ रुपए मंजूर किए

नई दिल्ली । भारतीय रेलवे ने कवच 4.0 सिस्टम की तैनाती के लिए 170 करोड़ रुपए को मंजूरी दी है। इसके तहत उत्तरी रेलवे के मुरादाबाद डिवीजन के 712 रूट किलोमीटर के बाकी बचे हिस्सों पर कचव सिस्टम लगाया जाएगा। यह जानकारी सरकार की ओर से मंगलवार को दी गई। रेल मंत्रालय के बयान के अनुसार, मंजूर की गई राशि से स्वदेशी ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्शन सिस्टम लगाकर डिवीजन के सुरक्षा इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत किया जाएगा।

मंत्रालय ने कहा कि कवच 4.0 को लागू करने से चिन्हित सेक्शन में ट्रेन संचालन के लिए सुरक्षा की एक एडवांस्ड लेयर मिलेगी। कवच देश में ही विकसित एक ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्शन (एटीपी) सिस्टम है, जिसे ऑपरेशनल सुरक्षा बढ़ाने के लिए बनाया गया है। यह सिग्नल पासिंग एट डेंजर (एसपीएडी) को रोकने में मदद करता है, असुरक्षित स्थितियों से बचने के लिए जरूरत पड़ने पर अपने-आप ब्रेक लगाता है, मुश्किल हालात में ट्रेन की स्पीड को कंट्रोल करता है और ट्रेनों की टक्कर का खतरा काफी कम करता है। बयान में कहा गया है, यह पहल भारतीय रेलवे की उस लगातार कोशिश का हिस्सा है जिसके तहत वह अपने नेटवर्क पर कवच का दायरा बढ़ा रही है और रेलवे सिग्नलिंग व ट्रेन प्रोटेक्शन सिस्टम को आधुनिक बना रही है।

भारत वैश्विक बदलावों के बीच भी अपनी ग्रोथ बनाए रखने में सक्षम : वित्त मंत्री सीतारमण

एशविले । केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारत ने यह साबित कर दिया है कि वह अपनी ग्रोथ की रफ्तार को कम किए बिना ग्लोबल इकॉनमी में हो रहे बदलावों के हिसाब से खुद को ढाल सकता है। उन्होंने देश की आयातित ऊर्जा और फर्टिलाइजर पर निर्भरता को भी स्वीकार किया। जी20 वित्त मंत्रियों की बैठक के दौरान आईएएनएस को दिए एक एक्सक्लूसिव इंटरव्यू में वित्त मंत्री ने भारत को चुनौतियों से निपटने में सक्षम अर्थव्यवस्था बताया।

उन्होंने कहा कि भारत दुनिया में कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों के सबसे बड़े आयातकों में से एक है। भारत कुछ घरेलू उत्पादन क्षमता होने के बावजूद कई उर्वरकों और उनके कच्चे माल का भी आयात करता है। वित्त मंत्री ने कहा, ÷हम कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों के बड़े आयातकों में से एक हैं। हम विभिन्न प्रकार के उर्वरकों (यूरिया, अमोनिया, डीएपी) के बड़े आयातक हैं। देश के भीतर उत्पादन क्षमता है, लेकिन उसके बावजूद हम आयातक हैं।÷ निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारत के आर्थिक प्रदर्शन ने यह दिखाया है कि वह विदेशों में होने वाले घटनाक्रमों पर प्रतिक्रिया देने और अपनी ग्रोथ की गति को बचाए रखने में सक्षम है। उन्होंने कहा, ये सभी एक जीवंत अर्थव्यवस्था के बहुत स्पष्ट संकेत हैं, एक ऐसी अर्थव्यवस्था जो वैश्विक स्तर पर बदलावों को स्वीकार करती है और खुद को इस तरह से ढालती है कि हमारी ग्रोथ प्रभावित न हो। निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक भी समय-समय पर अर्थव्यवस्था का अपना आकलन जारी करता है, जिसमें संकेतक सकारात्मक दिशा में बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा, हां, चुनौतियां हैं, और हम सरकार के तौर पर हर बार चुनौती आने पर भारत को फायदेमंद स्थिति में लाने के लिए काम करेंगे।

सिक्किम की घुमावदार राहों पर रोमांच का सफर

जुलुक-नाथांग वैली बनी पर्यटकों की पसंद

गंगटोक। पूर्वी सिक्किम का जुलुक और नाथांग वैली क्षेत्र प्राकृतिक खूबसूरती और रोमांच से भरपूर पर्यटन स्थल के रूप में पहचान बना चुका है। यहां से गुजरने वाला पुराना सिल्क रूट कभी भारत और चीन के बीच व्यापारिक संपर्क का महत्वपूर्ण मार्ग हुआ करता था। यह रास्ता ल्हासा, नाथू ला और जेलेप ला दर्रों से होकर पश्चिम बंगाल के ताम्रलिप्त बंदरगाह तक पहुंचता था। आज इतिहास से ज्यादा यह मार्ग अपनी घुमावदार जिग-जैग सड़कों, बर्फ से ढकी पहाड़ियों, रंग-बिरंगे रोडोडेंड्रोन और मनमोहक प्राकृतिक दृश्यों के लिए प्रसिद्ध है। यहां से सूर्योदय का नजारा और दूर दिखाई देती कंचनजंघा पर्वत श्रृंखला पर्यटकों को खासा आकर्षित करती है। सर्दियों में बर्फ से ढका पूरा इलाका किसी खूबसूरत तस्वीर जैसा नजर आता है। स्थानीय लोगों की सादगी और मेहमाननवाजी भी पर्यटकों के अनुभव को यादगार बना देती है।

न्यूज विंडो

तृणमूल सांसद महुआ मोइत्रा की सुरक्षा में तैनात रहेंगे दो पुलिसकर्मी : हाई कोर्ट

कोलकाता. एजेंसी। कलकत्ता हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा को उनके संसदीय क्षेत्र में जाने के दौरान पुलिस सुरक्षा देने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति सौगत भट्टाचार्य ने निर्देश दिया कि महुआ जब भी अपने संसदीय क्षेत्र में प्रवेश करेंगी, उनके साथ कम से कम दो पुलिसकर्मी तैनात किए जाएं। यह सुरक्षा फिलहाल 30 दिनों के लिए दी गई है। मामले की अगली सुनवाई एक अक्टूबर को होगी। अदालत ने कहा कि महुआ को अपने संसदीय क्षेत्र में काम करने के दौरान किसी तरह की परेशानी या उत्पीड़न का सामना न करना पड़े, यह सुनिश्चित करना राज्य की जिम्मेदारी है।

पीएम मोदी की तस्वीर हटाने के मामले में मनसे के दो कार्यकर्ता गिरफ्तार

मुंबई. एजेंसी। पुणे स्थित सरकारी पालिटेक्निक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तस्वीर हटाने के मामले में पुलिस ने महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के दो कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया है। इससे पहले पुलिस ने एमएनएस नेता और पार्टी प्रमुख राज ठाकरे के बेटे अमित ठाकरे समेत अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया था। इस बीच, मंगलवार को मुंबई के दादर और माहिम में भाजपा युवा मोर्चा और एमएनएस कार्यकर्ताओं के बीच टकराव की स्थिति बन गई। पुलिस को हस्तक्षेप कर कई लोगों को हिरासत में लेना पड़ा। चतु:शृंगी थाने के एक पुलिस अधिकारी के अनुसार, सरकारी पॉलिटेक्निक में प्रधानमंत्री मोदी की तस्वीर हटाए जाने के मामले में पूछताछ के लिए दो एमएनएस कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया है।

बिना पूछे बनाई रील और उड़ाया मजाक मेटा को 2 करोड़ रुपए का भेजा नोटिस

नई दिल्ली. एजेंसी। दिल्ली के एक व्यक्ति ने इंस्टाग्राम पर एक क्रिएटर और मेटा प्लेटफॉर्म्स को कानूनी नोटिस भेजा है। आरोप है कि एक कैफे में रे-बैन मेटा स्मार्ट ग्लास का इस्तेमाल कर उसके साथ दुर्व्यवहार किया गया और उसकी गुप्त रूप से वीडियो रिकॉर्डिंग की गई। बाद में यह फुटेज इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर दी गई, जिसे 4.19 लाख से अधिक बार देखा गया। 24 अगस्त को जारी किए गए नोटिस में व्यक्ति ने वीडियो तुरंत हटाने, माफी मांगने और हर्जाने के रूप में 2.05 करोड़ रुपए का भुगतान करने की मांग की है। नोटिस में मेटा को दो स्तरों पर जिम्मेदार ठहराया गया है। पहला, इंस्टाग्राम के मालिक के रूप में, जिसने शिकायतें मिलने के बाद भी वीडियो को प्लेटफॉर्म पर होस्ट रखना जारी रखा। दूसरा, उस तकनीकी कंपनी के रूप में जिसने कैमरा युक्त स्मार्ट ग्लास का डिजाइन और मार्केटिंग की। इंटरनेट फ्रीडम फाउंडेशन (आईएफएफ) ने पीड़ित को नि:शुल्क कानूनी सहायता प्रदान की है।

स्पाई कैमरे, पेन कैमरा और एआई गैजेट्स से बनाते थे आपत्तिजनक फुटेज

जेल से बाहर आते ही श्वेता जैन ने खड़ा किया 'हनी ट्रैप-2' गिरोह

इंदौर, एजेंसी

बहुचर्चित हनी ट्रैप मामले की मुख्य आरोपी श्वेता जैन के जेल से बाहर आने के बाद कथित तौर पर नया गिरोह खड़ा करने का खुलासा हुआ है। इंदौर क्राइम ब्रांच ने हनी ट्रैप-2 मामले में 600 से अधिक पेज का पूरक चालान अदालत में पेश किया है। जांच में सामने आया कि श्वेता ने जेल में रहते हुए ही नए गिरोह की रणनीति तैयार कर ली थी। जमानत पर बाहर आने के बाद उसने सागर की रेशू के साथ मिलकर कथित तौर पर रसूखदार लोगों को निशाना बनाना शुरू किया।

पुलिस के मुताबिक, गिरोह बड़े राजनेताओं, प्रॉपर्टी कारोबारियों, बिजनेसमैन और शराब कारोबार से जुड़े लोगों को जाल में फंसाकर उनकी आपत्तिजनक तस्वीरें और वीडियो तैयार करता था। इसके लिए स्पाई कैमरे, पेन कैमरे, बटन कैमरे और अन्य आधुनिक गैजेट्स का इस्तेमाल किया जाता था।

इंदौर में 18 मई को दर्ज हुई थी एफआईआर

मामला तब सामने आया जब शराब एवं प्रॉपर्टी कारोबारी हितेंद्र उर्फ चिंटू ठाकुर ने 18 मई 2026 को क्राइम ब्रांच में शिकायत दर्ज कराई। आरोप है कि 28 अप्रैल की रात सुपर कॉरिडोर पर उसकी गाड़ी रोककर एक करोड़ रुपए की रंगदारी मांगी गई और प्रॉपर्टी कारोबार में हिस्सेदारी देने का दबाव बनाया गया। जांच के दौरान पुलिस ने भोपाल से श्वेता और सागर से रेशू को गिरफ्तार किया। रेशू के घर से नौ मोबाइल फोन, स्पाई कैमरे, 32 जीबी मेमोरी कार्ड, पेन कैमरे और बटन कैमरे जब्त किए गए। पुलिस का दावा है कि बरामद डिजिटल सामग्री में कई प्रभावशाली लोगों से जुड़े फुटेज मिले हैं। जांच अभी जारी है।

28 अप्रैल को कारोबारी की गाड़ी रोककर एक करोड़ रुपए की मांग की गई थी

हनी ट्रैप-2 मामले की जांच की शुरुआत कारोबारी हितेंद्र उर्फ चिंटू ठाकुर की शिकायत से हुई। आरोप है कि 28 अप्रैल 2026 की रात सुपर कॉरिडोर पर उनकी गाड़ी रोककर एक करोड़ रुपये की मांग की गई। आरोपियों ने प्रॉपर्टी कारोबार में हिस्सेदारी देने का दबाव भी बनाया। शिकायत के बाद क्राइम ब्रांच ने मामले की कड़ियां जोड़नी शुरू कीं। जांच के दौरान अलका दीक्षित के कॉल डिटेल रिकॉर्ड खंगाले गए, जिसमें इंटेलिजेंस विंग के तत्कालीन हेड कांस्टेबल विनोद शर्मा की भूमिका भी संदिग्ध मिली। पुलिस ने उसे भी मामले में आरोपी बनाया। उसके मोबाइल से कई संदिग्ध वीडियो बरामद होने की बात सामने आई। इसके बाद श्वेता जैन और रेशू तक जांच पहुंची। दोनों की गिरफ्तारी के बाद कथित गिरोह के संपर्कों और गतिविधियों से जुड़े कई अहम सुराग पुलिस के हाथ लगे।

स्पाई कैमरों से लेकर डिजिटल सबूत तक

क्राइम ब्रांच की जांच में कथित हनी ट्रैप गिरोह के काम करने के तरीके को लेकर कई अहम जानकारी सामने आई है। पुलिस के अनुसार, गिरोह के सदस्य रसूखदार लोगों से संपर्क बढ़ाने के बाद आधुनिक तकनीक की मदद से आपत्तिजनक फुटेज तैयार करते थे। सागर में रेशू के ठिकाने पर छापेमारी के दौरान नौ मोबाइल फोन, स्पाई कैमरे, पेन कैमरे, बटन कैमरे और 32 जीबी का मेमोरी कार्ड जब्त किया गया। जांच एजेंसी का दावा है कि बरामद डिजिटल सामग्री में कई प्रमुख हस्तियों से जुड़े वीडियो और तस्वीरें मिली हैं। पुलिस ने कॉल डिटेल रिकॉर्ड और मोबाइल से मिले डेटा को भी जांच का अहम आधार बनाया है। 600 से अधिक पेज के पूरक चालान में श्वेता जैन और रेशू को कथित गिरोह की प्रमुख कड़ियों के रूप में बताया गया है। मामले में जांच अब भी जारी है।

सभी राज्य जजों की सेवानिवृत्ति आयु 62 वर्ष करें : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली. एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से न्यायिक अधिकारियों की सेवानिवृत्ति आयु 62 वर्ष करने पर विचार करने को कहा। कोर्ट ने कहा कि न्यायिक अधिकारी आम सरकारी कर्मचारियों की तुलना में अपेक्षाकृत देर से न्यायिक सेवा में आते हैं। ऐसे में उनकी सेवानिवृत्ति आयु बढ़ाने से राज्यों पर ऐसा अतिरिक्त वित्तीय बोझ नहीं पड़ेगा, जिसे आधार बनाकर प्रस्ताव का विरोध किया जाए।

प्रधान न्यायाधीश (सीजेआइ) सूर्यकांत और जस्टिस जोयमाल्या बागची तथा वी. मोहना की पीठ ने न्यायिक अधिकारियों की सेवानिवृत्ति आयु बढ़ाने को लेकर हिचकिचा रहे राज्यों के एडवोकेट जनरल से कहा कि वे अपने मुख्यमंत्रियों को मनाने का प्रयास करें। कुछ राज्यों ने न्यायिक अधिकारियों की सेवानिवृत्ति आयु अन्य सरकारी कर्मचारियों के समान 58 या 60 वर्ष रखने का सुझाव दिया था। पीठ ने इस तर्क को स्वीकार नहीं किया। कोर्ट ने कहा कि न्यायिक सेवा में आने तक जज काफी उम्र पार कर चुके होते हैं। ऐसे में उन्हें 62 वर्ष तक सेवा का अवसर देने से राज्यों पर कोई असामान्य वित्तीय भार नहीं पड़ेगा।

होटल में नाबालिग से रेप के बाद भड़का गुस्सा, पथराव फिर तोड़फोड़

ऋषिकेश, एजेंसी

नाबालिग के साथ जिस होटल में दुष्कर्म हुआ उसके संचालक और प्रबंधक की भूमिका से नाराज गुस्साई भीड़ ने होटल में पथराव और तोड़फोड़ की।

भीड़ में शामिल कुछ लोग बुलडोजर लेकर होटल के बाहर पहुंच गए। होटल संचालन से जुड़ी एक महिला और भीड़ में शामिल महिलाओं के बीच मारपीट हो गई। करीब दो घंटे तक हंगामे की स्थिति बनी रही। पुराना रेलवे रोड के पास स्थित होटल गंगा इन में नाबालिग के साथ दुष्कर्म के बाद होटल विवादों में घिरा हुआ था। पीड़िता के स्वजन और बड़ी संख्या में लोग होटल के बाहर पहुंचे। गुस्साई भीड़ ने होटल में पथराव कर फ्रंट के शीशों को तोड़ दिया। अंदर जाकर भी तोड़फोड़ की। होटल संचालन से जुड़ी एक महिला और भीड़ में शामिल महिलाओं के बीच कहासुनी हो गई। इस दौरान मारपीट हो गई। पुलिस महिला को गाड़ी में बैठाकर वहां से ले गई। इसके बाद होटल में प्रवेश करने वाले शटर बंद कर दिए गए। इस बीच भीड़ में शामिल कुछ लोग बुलडोजर लेकर होटल के बाहर पहुंच गए। वह होटल को गिराने या सील करने की मांग पर अड़ गए। करीब दो घंटे तक हंगामे की स्थिति बनी रही। पुलिस के कार्रवाई के आश्वासन के बाद लोग होटल के बाहर से हटे। पुलिस ने जब होटल के रजिस्टर खंगाले तो वहां पहले भी अधूरे दस्तावेजों के आधार पर कमरा देने की बात सामने आई।

रोहिणी हत्याकांड में भतीजी समेत तीन गिरफ्तार 80 लाख रुपए के लालच में घर में भेजे थे हत्यारे

नई दिल्ली, एजेंसी

रोहिणी सेक्टर-3 में मंगलवार रात 60 वर्षीय राकेश खन्ना की हत्या कर दी गई। वारदात के समय वह घर में अकेले थे। पुलिस ने मामले की जांच करते हुए मृतक की साली की बेटी सिमरन समेत पारस और चिराग को गिरफ्तार कर लिया। हत्याकांड में सिमरने के प्रेमी हिमांशु का भी नाम सामने आया है। फिलहाल, पुलिस की उसकी तलाश कर रही है। जांच और पूछताछ में पता चला है कि वे बुजुर्ग द्वारा कुछ समय पहले बेचे गए फ्लैट की मोटी रकम को हड़पने की फिराक में थे। यह रकम करीब 80 लाख बताई जा रही है।

शुरुआती जांच में सामने आया है कि बुजुर्ग को अकेला देखकर आरोपितों ने लूटपाट के इरादे से वारदात को अंजाम दिया। हालांकि पुलिस अभी आरोपितों से पूछताछ कर रही है और हत्या की पूरी वजह की जांच जारी है। बताया जा रहा है कि घटना के समय राकेश की पत्नी बाजार गई हुई थीं। इसी दौरान कुछ लोग घर में पहुंचे और वारदात को अंजाम दिया। पुलिस के अनुसार, सिमरन एक निजी स्कूल में शिक्षिका है। वहीं, चिराग जिम में प्रशिक्षक है, जबकि पारस 12वीं कक्षा का छात्र है और पहले भी एक मामले में पकड़ा जा चुका है। पुलिस के अनुसार, राकेश खन्ना की हत्या की साजिश सिमरन ने अपने प्रेमी हिमांशु के साथ मिलकर रची थी। हिमांशु जिम चलाता है। साजिश के तहत सिमरन ने पहले अपनी मौसी को कुछ रिश्तेदारों के साथ मेला देखने के लिए भेज दिया, ताकि वारदात के समय घर पर कोई मौजूद न रहे। इसके बाद डुप्लीकेट चाबी की मदद से पारस और चिराग को घर के अंदर भेजा गया, जहां दोनों ने बुजुर्ग राकेश खन्ना की हत्या कर दी। अब तक हिमांशु पुलिस की पकड़ में नहीं आया है। पुलिस का दावा है कि राकेश खन्ना ने हाल ही में अपना फ्लैट करीब 80 लाख रुपए में बेचा था।

मेट्रो एंकर

'मां को छोड़ो, अलग घर में रहो'... पत्नी की जिद पर हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

बीमार बुजुर्ग मां से दूर रहने से पति का इनकार क्रूरता नहीं

रायपुर, एजेंसी

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने वैवाहिक विवाद से जुड़े एक मामले में अहम फैसला सुनाते हुए स्पष्ट किया है कि पति का अपनी बुजुर्ग और बीमार मां को छोड़कर अलग रहने से इनकार करना पत्नी के प्रति क्रूरता नहीं माना जा सकता। कोर्ट ने पति की तलाक की अपील मंजूर करते हुए ट्रायल कोर्ट के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें उसकी तलाक याचिका खारिज कर दी गई थी।

जस्टिस नरेश कुमार चंद्रवंशी ने कहा कि अलग घर में रहने की मांग को हर स्थिति में क्रूरता नहीं माना जा सकता। जीवनसाथी के पास अलग रहने के वाजिब कारण हो सकते हैं, लेकिन

अदालत को परिस्थितियों को देखते हुए यह तय करना होगा कि मांग उचित है या फिर दूसरे जीवनसाथी को अपने माता-पिता से संबंध तोड़ने के लिए मजबूर करने की कोशिश।

मामले में पति की मां काफी बुजुर्ग और बीमार थीं। पति ने उनके साथ रहने और उनकी देखभाल से पीछे हटने से इनकार किया था। हाईकोर्ट ने इसे स्वाभाविक और उचित पारिवारिक जिम्मेदारी माना। कोर्ट ने कहा कि शादी के बाद व्यक्ति का नया परिवार जरूर बनता है, लेकिन इससे बुजुर्ग या बीमार माता-पिता के प्रति उसकी पहले से मौजूद नैतिक और कानूनी जिम्मेदारियां खत्म नहीं हो जातीं। वैवाहिक रिश्ता किसी व्यक्ति को अपने माता-पिता से मुंह मोड़ने के लिए मजबूर करने का असीमित अधिकार नहीं देता।

परिस्थितियां देखना भी जरूरी

हाईकोर्ट ने अपने फैसले में यह भी स्पष्ट किया कि पत्नी का अलग घर में रहने की इच्छा जताना अपने आप में गलत या क्रूरता नहीं है। कई वैवाहिक परिस्थितियों में पति-पत्नी के पास अलग रहने के उचित कारण हो सकते हैं। हालांकि, मामले के पूरे हालात को देखना जरूरी है। अदालत को यह जांचना होता है कि अलग घर की मांग किसी वास्तविक समस्या से जुड़ी है या फिर जीवनसाथी पर उसके माता-पिता से संबंध खत्म करने का दबाव बनाया जा रहा है। इस मामले में पति की मां काफी बुजुर्ग और बीमार थीं। ऐसे में पत्नी की ओर से पति को मां से अलग रहने के लिए लगातार दबाव डालने के सवाल पर कोर्ट ने परिस्थितियों का मूल्यांकन किया।

शादी के बाद भी माता-पिता की जिम्मेदारी कायम : कोर्ट

हाईकोर्ट ने अपने फैसले में परिवार और वैवाहिक जिम्मेदारियों के बीच संतुलन पर महत्वपूर्ण टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि शादी व्यक्ति के जीवन में नया परिवार जरूर जोड़ती है, लेकिन इससे बुजुर्ग या बीमार माता-पिता के प्रति उसकी जिम्मेदारियां समाप्त नहीं हो जातीं। खासकर तब, जब माता-पिता को देखभाल की जरूरत हो। कोर्ट के मुताबिक, किसी जीवनसाथी को यह असीमित अधिकार नहीं मिल जाता कि वह दूसरे को उसकी पहले से चली आ रही पारिवारिक जिम्मेदारियां छोड़ने के लिए मजबूर करे।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564, 4917524